वनांचल : असीम संभावनाओं की भूमि

वनांचल, जिसे आज **झारखंड** के नाम से जाना जाता है, असीम संभावनाओं और प्रचुर संसाधनों की भूमि है। घने जंगलों और समृद्ध गांवों के बीच बसा यह क्षेत्र सदियों से स्वदेशी जनजातियों के जीवन का आधार रहा है। आदिवासी, जिन्होंने इस भूमि को अनादिकाल से अपना घर बनाया है, बाहरी प्रभावों के आने से पहले ही इसके प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर होकर फलते-फूलते रहे।

आज, हालांकि, **प्रौद्योगिकी , कनेक्टिविटी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** में हुई अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद, ग्रामीण भारत, विशेषकर वनांचल, गंभीर विकासात्मक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

Vananchal Udyam Shakti

Empowering the Leaders of Tomorrow

वनांचल का ऐतिहासिक महत्व

झारखंड के जंगल और गांव इसकी सांस्कृतिक और पारिस्थितिक विरासत की रीढ़ हैं। सदियों तक आदिवासी समुदायों ने इस भूमि पर अपनी आजीविका के लिए भरोसा किया। इसके घने जंगल केवल **ईंधन और लकड़ी का स्रोत** ही नहीं रहे, बल्कि **औषधीय पौधों और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों** का समृद्ध भंडार भी रहे हैं। इन पारंपरिक प्रणालियों ने समुदायों को स्थायित्व और सांस्कृतिक निरंतरता प्रदान की है।

हालांकि, भू**मंडलीकरण और शहरीकरण** के आगमन के साथ, इन समुदायों ने गहन परिवर्तन देखे हैं। पारंपरिक प्रथाएं, जो आज भी प्रासंगिक हैं, अक्सर प्रणालीगत उपेक्षा और आधुनिकीकरण की कमी से प्रभावित हुई हैं। परिणामस्वरूप, क्षेत्र की क्षमता काफी हद तक अप्रयुक्त बनी हुई है और इसे परंपरा और प्रगति के बीच की खाई को पाटने के लिए अभिनव समाधान की आवश्यकता है।

वर्तमान समय की चुनौतियां

इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी प्रौद्योगिकियों के तेजी से प्रसार के बावजूद, ग्रामीण झारखंड इस डिजिटल क्रांति के लाभों तक पहुंचने में संघर्ष कर रहा है। पौष्टिक भोजन, प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सतत आजीविका जैसी बुनियादी आवश्यकताएं अब भी बड़ी आबादी के लिए अप्राप्य हैं।

खाद्य सुरक्षा: कुपोषण और खाद्य असुरक्षा ग्रामीण क्षेत्रों को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। संतुलित और पौष्टिक आहार तक पहुंच अधिकांश परिवारों के लिए दैनिक संघर्ष है।

शिक्षा: प्राथमिक शिक्षा एक संवैधानिक अधिकार है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहती है। आधुनिक, कौशल-आधारित शिक्षा अब भी एक दूर का सपना है, और कई बच्चे बुनियादी साक्षरता तक से वंचित हैं।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

वर्तमान समय की चुनौतियां

स्वास्थ्य सेवाएं: ग्रामीण झारखंड में चिकित्सा अवसंरचना की गंभीर कमी है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर विशेष देखभाल तक, क्षेत्र अपनी बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है।

आजीविका : रोजगार के अवसरों की कमी के कारण कई लोग शहरी क्षेत्रों में पलायन करने के लिए मजबूर हैं। जो लोग गांव में रहते हैं, वे अक्सर मौसमी और अस्थिर आय स्रोतों के साथ संघर्ष करते हैं।

इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी **अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों** के तेजी से प्रसार के बावजूद, ग्रामीण झारखंड इस डिजिटल क्रांति के लाभों से अभी भी वंचित है। इसका मुख्य कारण यह है कि जब तक हर गांव **समृद्ध और विकसित** नहीं हो जाता, तब तक ऐसी प्रौद्योगिकियां व्यर्थ ही साबित होती रहेंगी।

समृद्धि का अर्थ है

आज के समय की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादन क्षमता और कौशल विकास। और **कौशल विकास का मतलब** है—व्यावसायिक ढांचे के अनुसार खुद को उसका हिस्सा बनाना। इस आबादी के लिए **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** तभी सार्थक होगी, जब वे इसे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में स्थानीय स्तर पर उपयोग कर सकें और इससे अपने जीवन को नई ऊर्जा प्रदान कर सके.

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

झारखंड में कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग का बजट और इसका प्रभाव: एक गहन विश्लेषण

झारखंड के गठन (15 नवंबर 2000) से लेकर अब तक कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग में बड़ी धनराशि बजट के रूप में आवंटित और खर्च की गई है। इन बजटों का उद्देश्य राज्य के ग्रामीण इलाकों में **कृषि उत्पादन** बढ़ाने, **पशुपालन** को प्रोत्साहित करने, **सहकारी समितियों** को सशक्त बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सृजन करना था। हालांकि, इस विशाल राशि के बावजूद राज्य के ग्रामीण विकास, जीवन स्तर, कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार की निरंतरता में अपेक्षित सुधार नहीं देखा गया है।

वनांचल उद्यम शक्ति परियोजना : आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर एक कदम

वनांचल उद्यम शक्ति परियोजना एक ऐसी महत्वाकांक्षी पहल है, जो झारखंड के हर गांव को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत कार्य करेगी। यह परियोजना न केवल ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि समय के साथ हर गांव को समृद्धि की ओर अग्रसर करेगी।

इस परियोजना के प्रभाव से

1. ग्राम विकास और आत्मनिर्भरता

- प्रत्येक गांव में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।
- स्थानीय उद्यमशीलता और कौशल विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

इस परियोजना के प्रभाव से

2. राज्य की समृद्धि में योगदान

- आत्मनिर्भर गांव राज्य के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच **आर्थिक असंतुलन** कम होगा।

3. झारखंड : एक मॉडल राज्य

- जब झारखंड के गांव आत्मनिर्भर और समृद्ध होने लगेंगे, तो राज्य एक ***मॉडल स्टेट*** के रूप में स्थापित होगा।
- इस परियोजना की सफलता अन्य राज्यों को भी इसी प्रकार की विकास योजनाएं अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

वनांचल उद्यम शक्ति परियोजना केवल विकास का साधन नहीं है, बल्कि यह झारखंड को आत्मनिर्भरता और समग्र विकास के नए युग में प्रवेश कराने का एक प्रभावी माध्यम है। इस पहल के माध्यम से, झारखंड न केवल अपने ग्रामीण इलाकों को सशक्त करेगा, बल्कि पूरे भारत के लिए एक आदर्श बनकर उभरेगा।

सोफ्टा : सामाजिक आत्मनिर्भरता और समग्र विकास की नई परिभाषा

सोफ्टा, एक तकनीकी कंपनी होते हुए भी, इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करती है कि समाज में आगे बढ़ने, सफल होने और विकास करने के लिए हर व्यक्ति का अत्यधिक शिक्षित होना ही अनिवार्य है। यह विचार न केवल पूर्वाग्रह से ग्रस्त है, बल्कि समाज के पिछड़े वर्गों के प्रति एक नकारात्मक दृष्टिकोण को भी उजागर करता है।

सोफ्टा इस सत्य में पूर्ण विश्वास रखती है कि कोई भी **समाज, राज्य या देश** तभी पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर और विकसित बन सकता है, जब उस समाज के हर व्यक्ति को समान अवसर मिले। हर व्यक्ति की प्रतिभा को पहचाना जाए और उसे उसी कार्य में लगाया जाए, जिसमें वह अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके।

SOFTA.

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

फिनलैंड : एक प्रेरणादायक उदाहरण

सोफ्टा का मुख्यालय फिनलैंड में है, जो केवल **5 मिलियन** की आबादी वाला देश है। इसके बावजूद, फिनलैंड ने अपनी विशिष्ट सोच और सामाजिक आत्मनिर्भरता की बदौलत वैश्विक स्तर पर एक आदरणीय स्थान प्राप्त किया है।

- **समानता और प्रतिभा का सम्मान**: फिनलैंड की सफलता का आधार यह है कि वहां हर व्यक्ति की क्षमता को पहचाना जाता है और उसे उसकी दक्षताओं के अनुसार जिम्मेदारी दी जाती है।
- **सामाजिक आत्मनिर्भरता** : फिनलैंड ने यह सिद्ध कर दिया है कि समृद्धि और विकास के लिए केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि **समानता और समावेशी दृष्टिकोण** आवश्यक हैं।

सोफ्टा की झारखंड में सामाजिक विकास की पहल

सोफ्टा झारखंड में भी फिनलैंड की तरह सामाजिक विकास का मॉडल प्रस्तुत करने का लक्ष्य रखती है। यह परियोजना झारखंड को एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाने की गारंटी देती है।

SOFTA.

समान अवसर: हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी वर्ग या पृष्ठभूमि का हो, उसे अपने कौशल और क्षमताओं के अनुसार काम करने का अवसर मिलेगा।

समावेशी विकास: यह परियोजना झारखंड के हर व्यक्ति को विकास की प्रक्रिया में शामिल करेगी, जिससे राज्य की समग्र प्रगति सुनिश्चित हो सके।

स्थायी समृद्धि: समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने से झारखंड न केवल एक समृद्ध राज्य बनेगा, बल्कि एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करेगा जिसे अन्य राज्य भी अपनाना चाहेंगे।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

सोफ्टा का दृष्टिकोण न केवल तकनीकी क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक विकास में भी एक नई दिशा प्रदान करता है। यह परियोजना झारखंड को एक ऐसा राज्य बनाने का सपना देखती है, जहां **समानता, समृद्धि और आत्मनिर्भरता** का संतुलन हो, और यह दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत बने।

SOFTA केवल एक कंपनी नहीं है, बल्कि एक ऐसा समूह है जो इस विश्वास को साझा करता है कि भारत जैसे विकासशील देश तब तक वास्तविक प्रगति नहीं कर सकते, जब तक कि भारत का हर घर सफलता और समृद्धि में योगदान न दे।

कोई अपने उत्पादन से

कोई व्यवस्थाओं में भागीदारी से

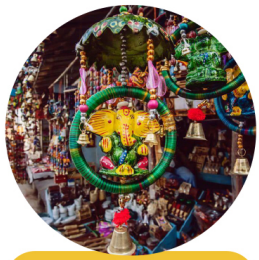

कोई बाजार का हिस्सा बनकर

तो कोई तकनीकी विकास में योगदान देकर

यह मेगा प्रोजेक्ट पिछले **12 वर्षों** की मेहनत का परिणाम है और इसे विशेष रूप से भारत जैसे विशाल और सांस्कृतिक विविधता वाले देश के लिए तैयार किया गया है, जहां हजारों भिन्न संस्कृतियों के लोग निवास करते हैं । **SOFTA** का उद्देश्य हर घर को आत्मनिर्भर और हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के योग्य बनाना है।

वनांचल उद्यम शक्ति इस दृष्टिकोण को साकार करने का एक मजबूत प्रयास है, जो झारखंड के गांवों को न केवल आधुनिकता से जोड़ेगा बल्कि उन्हें **आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण** की राह पर अग्रसर करेगा।

Vananchal Udyam Shakti

Empowering the Leaders of Tomorrow

वनांचल उद्यम शक्ति: एक परिवर्तनकारी पहल जो कल के नेताओं को सशक्त बनाएगी

वनांचल उद्यम शक्ति केवल एक परियोजना नहीं है, बल्कि झारखंड के प्रत्येक गांव की क्षमता को उजागर करने और उसे सशक्त बनाने के लिए एक परिवर्तनकारी मेगा-परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य शिक्षा, संस्कृति और व्यापार के क्षेत्रों में प्रगति को अत्याधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), के साथ समेकित करना है। यह पहल न केवल **ग्रामीण और सांस्कृतिक विकास** को प्रोत्साहन देगी, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक उन्नति को भी नई ऊंचाई तक ले जाएगी।

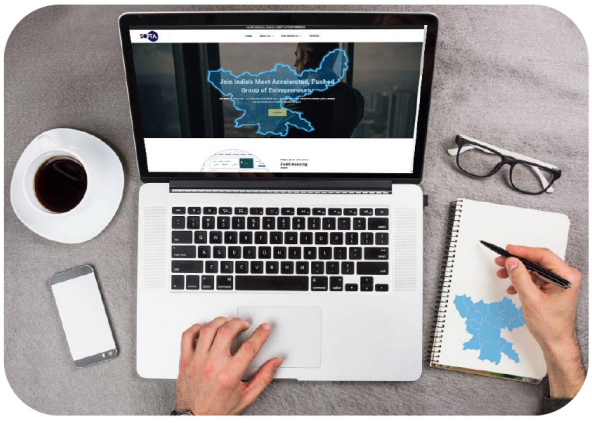

इस महत्वाकांक्षी मेगा-परियोजना का केंद्रबिंदु ***सॉफ्टा टेक्नोलॉजीज़*** है। सॉफ्टा ने पिछले 12 वर्षों में इस परियोजना की अनूठी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार की उन्नत तकनीकों का विकास किया है। ये तकनीक न केवल स्थानीय संस्कृति, परंपराओं, कलाओं, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित बहुमूल्य जानकारी को संरक्षित करेंगी, बल्कि इन जानकारियों को एक विस्तृत डिजिटल संग्रहालय के रूप में व्यवस्थित भी करेंगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

AI प्रणाली : संरक्षण से परे शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशिक्षण में क्रांति

यह AI प्रणाली केवल संरक्षण तक सीमित न रहते हुए, शिक्षा के क्षेत्र में एक **वर्चुअल शिक्षक**, स्वास्थ्य देखभाल में एक **स्थानीय स्वास्थ्य सलाहकार**, और **व्यावसायिक प्रशिक्षण** के लिए एक सतत ज्ञान स्रोत के रूप में **24x7** सेवाएं प्रदान करेगी।

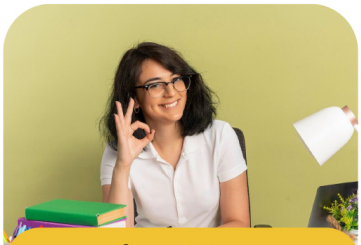

वर्चुअल शिक्षक

स्वास्थ्य सलाहकार

व्यावसायिक प्रशिक्षण

इसकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इन सेवाओं को स्थानीय और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप अनुकूलित किया गया है। यह सुनिश्चित करता है कि वनांचल की सांस्कृतिक धरोहर का न केवल संरक्षण हो, बल्कि उसका पुनरुत्थान और पुनर्स्थापना भी प्रभावी ढंग से हो सके।

यह पहल न केवल **तकनीकी नवाचार** को बढ़ावा देती है, बल्कि इसे क्षेत्रीय परंपराओं और मूल्यों के साथ जोड़ते हुए समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

वनांचल की सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण और भविष्य के लिए संरचना

एक तकनीकी और सांस्कृतिक पहल

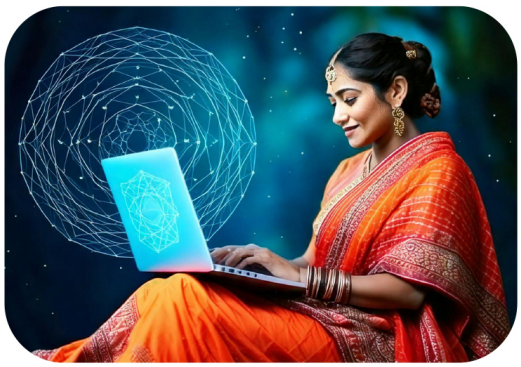

वनांचल की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना और इसे भविष्य की पीढ़ियों तक सहेजकर पहुंचाना एक अत्यंत महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इस परियोजना के अंतर्गत **उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** तकनीक का उपयोग करके क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जानकारियों को उनके वास्तविक स्वरूप में संरक्षित किया जाएगा।

यह अत्याधुनिक प्रणाली केवल वर्तमान में इन धरोहरों को संरक्षित करने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भविष्य में—यहां तक कि **1,000 वर्षों** के बाद भी—वनांचल की **परंपराओं, भाषाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों** को सटीकता के साथ सुलभ बनाए रखने में सक्षम होगी। इससे आने वाली पीढ़ियों को अपनी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही, यह परियोजना उन्हें आधुनिक विश्व के साथ समान गति से आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

परिष्कृत **प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (NLP)** तकनीक के माध्यम से इस प्रणाली को स्थानीय भाषाओं और बोलियों में संवाद करने में सक्षम बनाया जाएगा। इस प्रयास से भाषाई धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ उसे प्रोत्साहन भी मिलेगा। उन्नत AI आधारित तकनीकों की मदद से स्थानीय लोग विभिन्न भाषाओं के व्यक्तियों के साथ सहजता से संवाद कर सकेंगे और उनकी बातों को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।

यह परियोजना **तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक संवर्धन** के संगम का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह वनांचल की सांस्कृतिक पहचान को न केवल दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करेगी, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

वनांचल उद्यम शक्ति

आर्थिक विकास से परे एक सांस्कृतिक और परंपरागत पुनरुत्थान

वनांचल उद्यम शक्ति केवल क्षेत्र के आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक उद्देश्य क्षेत्र की प्राचीन सभ्यताओं का पुनर्जीवन और उन्हें अतीत तथा भविष्य के बीच एक सुदृढ़ सेतु के रूप में स्थापित करना है । यह परियोजना क्षेत्र की **सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहरों के संरक्षण, पुनरुत्थान** और उनकी प्रभावी प्रस्तुति के साथ-साथ एक सशक्त आर्थिक संरचना के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

परियोजना का लक्ष्य क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करना है, जिससे न केवल इन्हें संरक्षित किया जा सके, बल्कि उनकी प्रासंगिकता को भी बनाए रखा जा सके। सांस्कृतिक और पारंपरिक संपदाओं के पुनरुत्थान से क्षेत्र में **सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता** को बढ़ावा मिलेगा, जो इसकी आर्थिक गतिविधियों को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

Vananchal Udyam Shakti

Empowering the Leaders of Tomorrow

यह पहल क्षेत्रीय धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने और इसे **सांस्कृतिक पर्यटन, शिक्षा, और अनुसंधान** के लिए एक केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से कार्य करेगी। इस प्रकार, **वनांचल उद्यम शक्ति** न केवल आर्थिक विकास का साधन है, बल्कि यह सांस्कृतिक सशक्तिकरण और सामाजिक समृद्धि का एक प्रभावी माध्यम भी है।

स्थानीय उत्पादक इकाइयों का सशक्तिकरण और वैश्विक बाजार में पहचान

इस संरचना के अंतर्गत प्रत्येक गांव और प्रत्येक घर को एक उत्पादक इकाई के रूप में विकसित किया जाएगा। सॉफ्टा (**SOFTA**) इन स्थानीय उत्पादों को एक केंद्रीय मेगा-हब में संग्रहित और प्रसंस्कृत करेगा। इसके पश्चात, इन उत्पादों को देश और विदेश के बाजारों तक पहुंचाने की कार्यप्रणाली विकसित की जाएगी।

Vananchal Udyam Shakti

Empowering the Leaders of Tomorrow

यह पहल न केवल स्थानीय उत्पादों को **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान** दिलाने का कार्य करेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए स्थानीय समुदायों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान का माध्यम भी बनेगी। उत्पादकता और विपणन के इस समन्वित मॉडल से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी और उनकी पारंपरिक कौशल को वैश्विक मंच पर प्रोत्साहन मिलेगा।

इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उत्पादित सामग्रियों की **गुणवत्ता और विविधता** को संरक्षित करते हुए उन्हें आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रस्तुत करना है। यह संरचना **ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता** को प्रोत्साहित करते हुए वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में उसकी भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

वनांचल उद्यम शक्ति

आर्थिक विकास से परे आर्थिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक सशक्तिकरण का एक स्थायी मॉडलसांस्कृतिक और परंपरागत पुनरुत्थान

तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक संरक्षण के इस अद्वितीय संयोजन के माध्यम से वनांचल उद्यम शक्ति ने एक समृद्ध, सतत और समावेशी भविष्य के निर्माण हेतु आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक निरंतरता और शैक्षिक सशक्तिकरण को अपने प्रमुख उद्देश्य के रूप में निर्धारित किया है।

Vananchal Udyam Shakti

Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA

सॉफ्टा (**SOFTA**) की इस मेगा परियोजना के तहत अगले 10 वर्षों में झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों के कम से कम 1 लाख लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य है। यह पहल न केवल उन्हें स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, बल्कि उनके परिवारों को सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों की उत्पादकता और उनके पारंपरिक कौशल को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम से, यह पहल एक ऐसा मंच तैयार करेगी, जहां तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक धरोहरों का मेल क्षेत्रीय विकास और आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिखेगा। यह न केवल आजीविका के साधनों को स्थायित्व प्रदान करेगा, बल्कि समुदायों की सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती सुनिश्चित करते हुए आने वाली पीढ़ियों को नेतृत्व के लिए प्रेरित करेगा।

सॉफ्टा : झारखंड के सतत विकास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की अग्रणी पहल

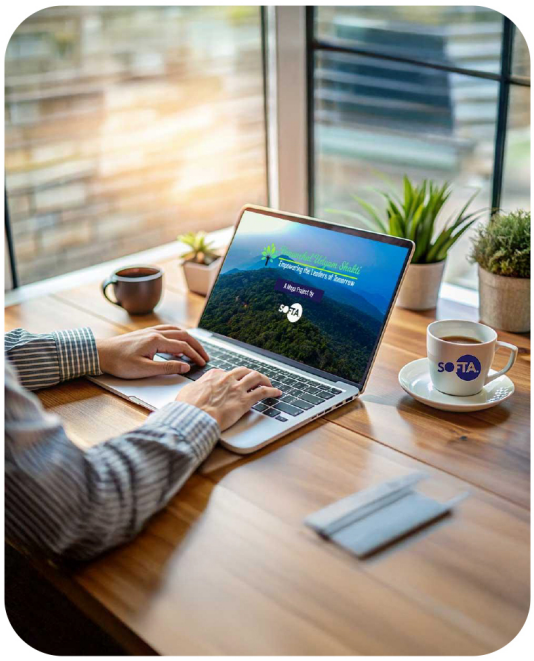

सॉफ्टा (**SOFTA**) पिछले 12 वर्षों से झारखंड की समृद्धि, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सतत अनुसंधान और नवाचार में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह संस्था झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं, उनकी सांस्कृतिक विरासत, और ऐतिहासिक विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए तकनीकी और सामाजिक ढांचे का विकास कर रही है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

सांस्कृतिक गरिमा और स्थानीय पहचान को प्राथमिकता

सॉफ्टा की विशेषज्ञ टीम, जो **अमेरिकी और यूरोपीय** उपनिवेशवादी दृष्टिकोण से पूरी तरह अप्रभावित है, क्षेत्र की प्राचीन सभ्यताओं की महानता और उनकी सांस्कृतिक गरिमा को सर्वोपरि मानती है। टीम का यह दृष्टिकोण **झारखंड** के मूलभूत सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए क्षेत्र को आधुनिक तकनीकी युग से जोड़ने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गहन शोध और नवाचार आधारित दृष्टिकोण

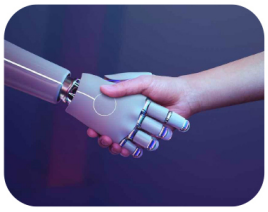

सॉफ्टा की विशेषज्ञ टीम ने झारखंड की प्राचीन परंपराओं, सामाजिक संरचनाओं और सांस्कृतिक धरोहरों का गहन अध्ययन और शोध किया है। इस शोध के परिणामस्वरूप, सॉफ्टा ने वनांचल की महान सभ्यता को वैश्विक पहचान दिलाने और स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** का विकास किया है। इन तकनीकों का उद्देश्य न केवल झारखंड की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करना है, बल्कि इसे आधुनिकता और वैश्विक विकास के साथ जोड़ना भी है।

आर्थिक सशक्तिकरण की रणनीति

सॉफ्टा ने झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक गांव और घर को एक उत्पादक इकाई में बदलने की योजना बनाई है। इस योजना के तहत:

1. **उत्पादन और विपणन का नेटवर्क:** ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादित वस्तुओं को एक केंद्रीकृत मेगा-हब में प्रोसेस कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाया जाएगा।

2. **स्थायी रोजगार के अवसर:** इस पहल का उद्देश्य झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों लोगों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

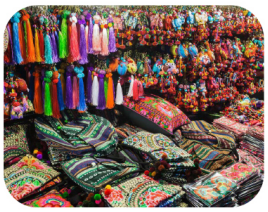

3. **स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान:** झारखंड के पारंपरिक कौशल और उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए एक सुदृढ़ ब्रांडिंग और वितरण प्रणाली तैयार की गई है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

तकनीकी और सांस्कृतिक संरचना का विकास

सॉफ्टा ने एक ऐसा तकनीकी और बुनियादी ढांचा विकसित किया है जो झारखंड की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विशिष्टताओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिकता और विकास को बढ़ावा देता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

AI आधारित समाधानों का उपयोग स्थानीय भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक जानकारियों को संरक्षित करने और उन्हें डिजिटल रूप से सुलभ बनाने के लिए किया गया है।

स्थानीय भाषाओं का संरक्षण

उन्नत **प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (NLP)** तकनीक के माध्यम से स्थानीय भाषाओं और बोलियों को संरक्षित करने और प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

सांस्कृतिक जागरूकता

परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य स्थानीय समुदायों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति गर्व और जागरूकता को बढ़ावा देना है।

वैश्विक पहचान और गौरव दिलाने की प्रतिबद्धता

सॉफ्टा का उद्देश्य झारखंड के ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाते हुए उनकी सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाना है। यह पहल झारखंड के प्रत्येक गांव और घर को न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी, बल्कि उनकी सांस्कृतिक धरोहर को भी आधुनिकता के साथ संतुलित तरीके से संरक्षित करेगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

मेगा परियोजना

झारखंड के आर्थिक और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए पाँच चरणों की रणनीति

इस मेगा परियोजना को **पाँच चरणों** में सुव्यवस्थित तरीके से कार्यान्वित करने की योजना बनाई गई है, जिसमें प्रथम चरण की शुरुआत संथाल परगना क्षेत्र से की जाएगी। इस चरण के अंतर्गत परियोजना के मुख्यालय की स्थापना, संसाधनों का प्रबंधन और उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की समग्र कार्ययोजना शामिल है।

यह मेगा परियोजना झारखंड के सभी प्रमंडलों **कोल्हान , पलामू, दक्षिण छोटानागपुर , और उत्तर छोटानागपुर** को क्रमबद्ध तरीके से कवर करते हुए कार्यान्वित की जाएगी। प्रत्येक चरण में क्षेत्रीय आवश्यकताओं और संसाधनों के आधार पर गतिविधियों को लागू किया जाएगा।

मेगा परियोजना

चरण 1: संथाल परगना में परियोजना का शुभारंभ

परियोजना की शुरुआत झारखंड के **संथाल परगना** क्षेत्र से की जाएगी। इस क्षेत्र को न केवल इसकी सांस्कृतिक और आर्थिक महत्ता के कारण चुना गया है, बल्कि यहाँ की भौगोलिक स्थिति भी इस परियोजना की सफलता के लिए अत्यधिक अनुकूल है।

1. **मुख्यालय की स्थापना:** संथाल परगना के **साहिबगंज** जिले में मेगा हब की स्थापना की जाएगी। यह **मेगा हब** परियोजना के मुख्यालय के रूप में कार्य करेगा, जहाँ से पूरी परियोजना का प्रबंधन और संचालन किया जाएगा। साहिबगंज का चयन इसकी रणनीतिक स्थिति और परिवहन क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA

2. **उत्पादन इकाइयों का प्रबंधन:**
   - संथाल परगना के विभिन्न गांवों में स्थापित सभी उत्पादन इकाइयों से कच्चे माल का संग्रह साहिबगंज के मेगा हब में किया जाएगा।
   - यह मेगा हब कच्चे माल को प्रसंस्कृत (प्रोसेस) और पैक करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित होगा।

3. **सामग्री की लॉजिस्टिक प्रबंधन:**
   - संसाधनों का **कुशल प्रबंधन** सुनिश्चित करने के लिए, मेगा हब को केंद्रीय बिंदु के रूप में विकसित किया जाएगा।
   - हां एक समन्वित प्रणाली के तहत उत्पादन से लेकर **प्रोसेसिंग और पैकेजिंग** तक की सभी प्रक्रियाओं का संचालन किया जाएगा।

साहिबगंज रिवर पोर्ट

अंतरराष्ट्रीय निर्यात के लिए एक सशक्त गेटवे

साहिबगंज मेगा हब में उत्पादित और संसाधित माल को **साहिबगंज रिवर पोर्ट** के माध्यम से **कोलकाता पोर्ट** तक पहुंचाया जाएगा। साहिबगंज रिवर पोर्ट न केवल इस परियोजना के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्रीय लॉजिस्टिक संरचना का अभिन्न हिस्सा भी है। यह झारखंड के उत्पादों को **अंतरराष्ट्रीय बाजारों** तक पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण गेटवे के रूप में कार्य करेगा। **साहिबगंज और कोलकाता पोर्ट** के बीच एक मजबूत **लॉजिस्टिक मार्ग** का निर्माण करके, यह परियोजना की सफलता के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। इस परियोजना में साहिबगंज रिवर पोर्ट की अहमियत को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

जैसा कि विदित है, सॉफ्टा पिछले 12 वर्षों से इस मेगा परियोजना पर कार्य कर रहा है। हमने **यूरोप, अमेरिका और खाड़ी देशों** में एक ऐसा **व्यावसायिक नेटवर्क** विकसित किया है, जिसके माध्यम से अब हमें केवल उत्पाद की आवश्यकता है। इस मेगा परियोजना के माध्यम से होने वाले उत्पादन को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने के लिए नेटवर्क पहले से ही तैयार है।

500 स्थानीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे

SOFTA — 500 —

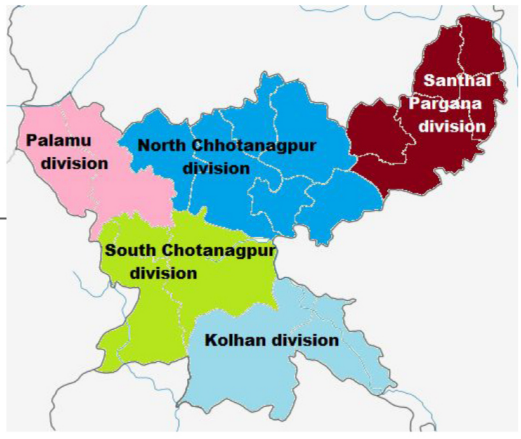

इस परियोजना के पहले चरण में संथाल परगना के सभी ग्रामीण क्षेत्रों को चिन्हित कर 500 स्थानीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ये केंद्र स्थानीय समुदाय के लोगों को इस परियोजना में भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे, उन्हें **तकनीकी और कौशल विकास का प्रशिक्षण** प्रदान करेंगे। प्रशिक्षण के बाद, लोगों की रुचि और दक्षता के आधार पर उन्हें विभिन्न उत्पादन कार्यों में लगाया जाएगा।

उदाहरण के तौर पर, यदि कोई **फूलों की खेती** करना चाहता है, तो उसे फूलों की खेती में लगाया जाएगा। यदि कोई **मधुमक्खी पालन (हनी फार्मिंग)** में रुचि रखता है, तो उसे मधुमक्खी पालन में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसी प्रकार, जो व्यक्ति **बकरी पालन, मछली पालन या आयुर्वेदिक खेती** करना चाहते हैं, उन्हें उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार इन कार्यों में शामिल किया जाएगा।

इस प्रक्रिया के माध्यम से जैसे-जैसे लोग प्रशिक्षित होते जाएंगे और उत्पादन कार्यों में शामिल होते जाएंगे, गांव के अन्य लोग भी इस मेगा परियोजना से स्वतः प्रेरित होकर जुड़ने लगेंगे। इससे धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास का नया अध्याय शुरू होगा।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

मेगा हब में वाणिज्यिक इकाइयों के साथ-साथ ऐसी इकाइयां भी स्थापित की जाएंगी, जो 24x7 अपना कार्य करेंगी।

1. इनमें से **एक विशेष इकाई 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए बाल प्रशिक्षण और सांस्कृतिक सहयोग प्रदान** करेगी। यह इकाई एक विशेष ऐप के माध्यम से बच्चों को आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराएगी।

   यह एक प्रकार का ऑनलाइन **स्थानीय डिजिटल स्कूल** होगा, जो प्रारंभिक स्तर पर बच्चों को आधुनिक और सरल तरीके से **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** प्रदान करेगा। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास में योगदान देना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

2. **12 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं** के लिए एक अत्याधुनिक ऑनलाइन प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाएगी, जो उन्हें विविध कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाएगा । इन कार्यक्रमों में **वेब डेवलपमेंट, ऐप डेवलपमेंट, डिजाइनिंग, वीडियो एडिटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का उपयोग, और डिजिटल सुरक्षा** जैसे आधुनिक व व्यावसायिक कौशल शामिल होंगे।यह प्रशिक्षण केंद्र केवल तकनीकी ज्ञान और कौशल प्रदान करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं की प्रतिभा को पहचानने और उसे पोषित करने पर विशेष ध्यान देगा। असाधारण प्रतिभा के धनी युवाओं को चिन्हित कर, उनके उज्जवल भविष्य के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने की अनुशंसा की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य **युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना**, उनकी क्षमताओं को दिशा प्रदान करना, और उन्हें वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार करना है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

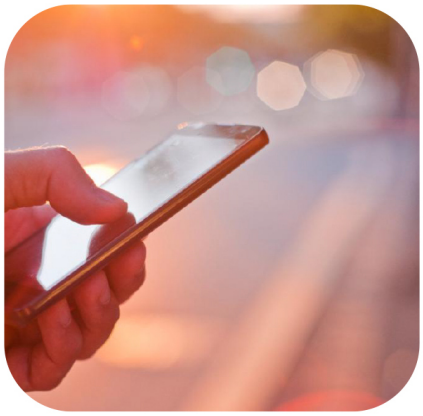

3. **महिला सहायता केंद्र**-महिला सहायता केंद्र एक विशेष टीम होगी, जिसमें महिला विशेषज्ञ शामिल होंगी। यह टीम ऐप के माध्यम से महिलाओं को हर समय सहयोग प्रदान करने के लिए उपलब्ध रहेगी। यह केंद्र महिलाओं को उनके स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के समाधान और मार्गदर्शन के साथ-साथ उनके कौशल के अनुसार **डिजिटल तकनीक** का उपयोग करना सिखाएगा। साथ ही, उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के उपायों की जानकारी भी दी जाएगी।इसके अतिरिक्त, यह टीम महिलाओं को **मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं** या किसी अन्य प्रकार की कठिनाई के समय **मार्गदर्शक, मित्र और सामाजिक कार्यकर्ता** के रूप में सहायता प्रदान करेगी।

ऐप के माध्यम से महिलाएं किसी भी समय इस टीम से संपर्क कर सकती हैं।इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना, उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना और उनकी किसी भी समस्या के समाधान में उनके साथ खड़ा रहना है। यह केंद्र महिलाओं को **आत्मनिर्भर और जागरूक** बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। सॉफ्टा का मानना है कि यदि **महिलाएं साक्षर** और आत्मनिर्भर होंगी, तो समाज अपने आप साक्षर और विकसित होते चला जाएगा।

सॉफ्टा के केंद्रीय हब में इकाइयों की स्थापना का औचित्य और महत्व

सॉफ्टा ने अपने केंद्रीय हब में इकाइयों की स्थापना की योजना बनाई है। इस पहल का उद्देश्य न केवल संगठन के कार्यों को व्यवस्थित करना है, बल्कि **संताल परगना क्षेत्र** को विकास की नई दिशा प्रदान करना है। इस रिपोर्ट में यह बताया गया है कि सॉफ्टा को इस निर्णय की आवश्यकता क्यों महसूस हुई, इन इकाइयों की स्थापना का उद्देश्य क्या है, और इनसे क्षेत्र को किस प्रकार नई गति प्राप्त होगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

संताल परगना क्षेत्र की जनसंख्या और आबादी संरचना

अकादमिक अध्ययन

संताल परगना झारखंड राज्य का एक महत्वपूर्ण प्रमंडल है, जिसमें **छह जिले** शामिल हैं: **दुमका, देवघर, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज** और **पाकुड़**। यह क्षेत्र **आदिवासी संस्कृति, संसाधनों की प्रचुरता** और विकास की संभावनाओं के लिए जाना जाता है। इस रिपोर्ट में हम क्षेत्र की **जनसंख्या, आबादी संरचना, गरीबी, कुपोषण**, और शिशु मृत्यु दर से संबंधित आंकड़ों का विस्तृत अध्ययन।

1. तकनीकी और सांस्कृतिक संरचना का विकास

- **कुल जनसंख्या : 69,69,097**
  - **पुरुष : 35,40,849 (50.8%)**
  - **महिला : 34,28,248 (49.2%)**
- **ग्रामीण जनसंख्या : 85.6%**
- **शहरी जनसंख्या : 14.4%**

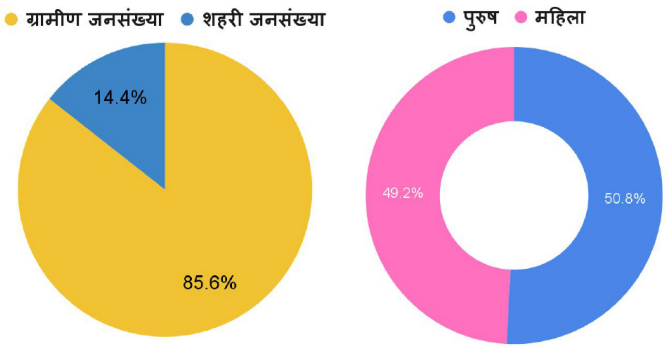

ग्रामीण और शहरी विकास का तुलनात्मक दृष्टिकोण

Softa के शोध आंकड़ों के अनुसार, संताल परगना क्षेत्र की 85% आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है। यह डेटा स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि अगर 85% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है तो केवल 15% शहरी आबादी पर ध्यान केंद्रित करके क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है। इसके अतिरिक्त, इन 85% ग्रामीण निवासियों के पास क्षेत्र के 85% से अधिक भूमि, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों तक पहुंच है।

ग्रामीण क्षेत्रों की प्राथमिकता क्यों आवश्यक है?

1. ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के प्राथमिक उपयोगकर्ता हैं।
2. ग्रामीण आबादी का **मानसिक, शारीरिक और कौशल विकास** किए बिना उन्हें प्रत्यक्ष रूप से अर्थव्यवस्था से जोड़ना असंभव है।
3. ग्रामीण इलाकों में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार से ही **शहरीकरण और क्षेत्रीय विकास** को गति मिल सकती है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA

1. जिलावार जनसंख्या आंकड़े (ये आंकड़े विभिन्न स्रोतों से एकत्रित किए गए हैं और अनुमानित हैं।)

संताल परगना झारखंड राज्य का एक महत्वपूर्ण प्रमंडल है, जिसमें छह जिले शामिल हैं: **दुमका, देवघर, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़**। यह क्षेत्र आदिवासी संस्कृति, संसाधनों की प्रचुरता और विकास की संभावनाओं के लिए जाना जाता है। इस रिपोर्ट में हम क्षेत्र की जनसंख्या, आबादी संरचना, गरीबी, कुपोषण, और शिशु मृत्यु दर से संबंधित आंकड़ों का विस्तृत अध्ययन।

जिलावार जनसंख्या आंकड़े

जिला	कुल जनसंख्या	पुरुष जनसंख्या	महिला जनसंख्या	जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किमी)	लिंग अनुपात (1000 पुरुष पर महिलाएं)
दुमका	13,21,442	6,67,251	6,54,191	288	980
देवघर	14,92,073	7,68,871	7,23,202	609	941
गोड्डा	13,11,382	6,78,637	6,32,745	410	933
साहिबगंज	11,50,567	5,89,558	5,61,009	511	952
पाकुड़	9,00,422	4,54,394	4,46,028	552	981
जामताड़ा	7,93,211	4,02,138	3,91,073	596	973

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

2. गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली आबादी

गरीबी की परिभाषा (झारखंड सरकार): गरीबी बहुआयामी है और इसमें **आय, स्वास्थ्य, शिक्षा** और जीवन स्तर के अभाव शामिल हैं। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोग वे हैं जिनकी दैनिक आय **₹32 रुपये** (ग्रामीण क्षेत्रों के लिए) और **₹40 रुपये** (शहरी क्षेत्रों के लिए) से कम है।

- संताल परगना में गरीबी दर:
- कुल गरीबी दर: लगभग 40-45%
- आदिवासी समुदायों में गरीबी अधिक प्रचलित।

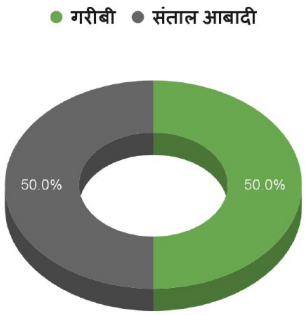

Softa का विश्लेषण: Softa के विश्लेषण के अनुसार, सरकारी मानकों में **गरीबी या गरीबी रेखा** के नीचे जीवन यापन करने का जो पैमाना तय किया गया है, वह वर्तमान समय की महंगाई दर और आर्थिक परिस्थितियों के साथ मेल नहीं खाता। सरकार द्वारा निर्धारित आय सीमा अत्यधिक कम है और गरीबों की वास्तविक आवश्यकताओं को पूरा करने में अक्षम है। यह आवश्यक है कि गरीबी की परिभाषा को वर्तमान आर्थिक और सामाजिक परिवेश के अनुसार पुनः परिभाषित किया जाए।

3. कुपोषित बच्चों की स्थिति

कुपोषण की परिभाषा: कुपोषण उन बच्चों की स्थिति है, जिनका **वजन, लंबाई, और आयु** के अनुसार पोषण स्तर कम है।

- **संताल परगना में कुपोषण:**
  - 5 वर्ष से कम आयु के कुपोषित बच्चे: लगभग 50%
  - कुपोषण का कारण: गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी।
- **सरकार की योजनाएँ:** पूरक पोषण कार्यक्रम, मिड-डे मील योजना।

मिड-डे मील

हालाँकि सरकार अपने स्तर पर कुपोषण से निपटने के लिए प्रयासरत है, **मिड-डे मील और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सरकार ने इस दिशा में कुछ हद तक सफलता भी प्राप्त की है।** लेकिन यह सफलता केवल शारीरिक कुपोषण के बोझ को कम करने तक सीमित रही है। मानसिक कुपोषण की समस्या, जो पूरे राज्य को गहरे कुपोषण की गर्त में धकेल रही है, अत्यंत चिंताजनक है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

सॉफ्टा ने अपने शोध में यह पाया है कि राज्य में कुपोषण की परिभाषा का पैमाना वजन, लंबाई और आयु के अनुसार पोषण स्तर का कम होना है। एक दृष्टिकोण से यह परिभाषा सही प्रतीत होती है। हालांकि, जब हम भविष्य की बात करते हैं, तो हमें यह समझने की आवश्यकता है कि यदि बच्चों का वजन, लंबाई और आयु के अनुसार पोषण स्तर कम है, तो यह स्पष्ट रूप से माना जाना चाहिए कि आगे चलकर उस बच्चे में शारीरिक और मानसिक विकास, विशेष रूप से मस्तिष्क के विकास में वह क्षमता नहीं आ पाएगी जो एक स्वस्थ और निरंतर विकास प्राप्त करने वाले बच्चे में होती है।

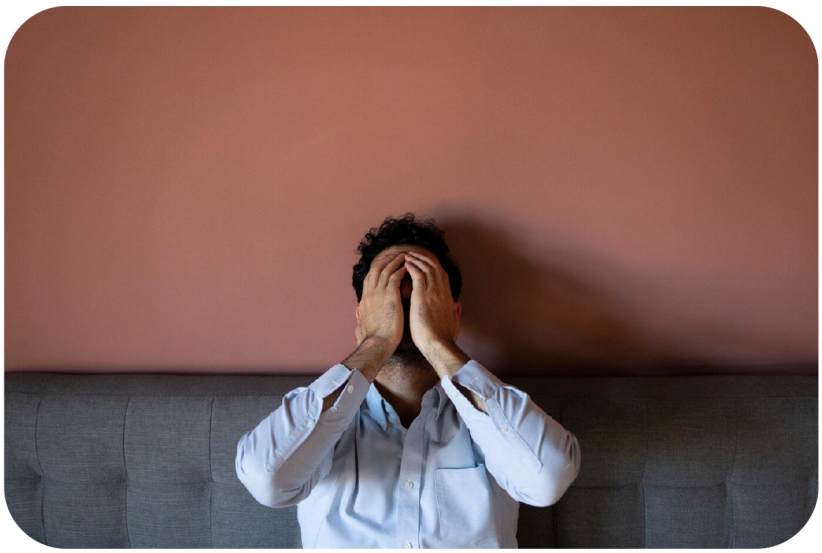

इसका प्रभाव न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामूहिक स्तर पर भी पड़ता है। ऐसे बच्चे न तो **ज्ञान और जानकारी** का समुचित अर्जन कर पाते हैं और न ही अपनी क्षमता के अनुसार देश और समाज में सार्थक योगदान देने में सक्षम होते हैं। इस प्रकार, ऐसे वातावरण में पलने-बढ़ने वाले बच्चों के जीवन और उनके भविष्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

ये बच्चे ही भविष्य में झारखंड की **अर्थव्यवस्था** का नेतृत्व करेंगे। इसीलिए, सॉफ्टा की इकाइयाँ बच्चों को, यानी समाज की जड़ को, अपनी तकनीकी शक्ति के माध्यम से **एआई** और **ऐप्स** के जरिए एक मनोरंजनपूर्ण तरीके से ऐसे वातावरण का निर्माण करेंगी, जिससे उनका मानसिक विकास विकसित देशों के बच्चों की तरह होने लगेगा। आने वाले समय में, ये बच्चे सॉफ्टा के साथ मिलकर अपने ही इलाके में उत्पादन को तकनीकी और कौशल विकास के जरिए उच्चतम स्तर पर पहुंचा देंगे। इन बच्चों में से कुछ अत्यधिक प्रभावशाली बच्चे **सॉफ्टा** के साथ मिलकर आगे की जिम्मेदारियाँ संभालेंगे और राज्य के उत्पादन को देश और दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने में अपना सार्थक योगदान देंगे ।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

बच्चों के इर्द-गिर्द ऐसी स्थितियां और माहौल तैयार किया जाएगा जो उन्हें रचनात्मक और सकारात्मक दुनिया का सही अर्थ समझने में मदद करे। इस वातावरण में उनकी महत्त्वाकांक्षाओं और सपनों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जो उनकी पहुंच के भीतर या उनके द्वारा संभव हो, जैसे **मधुमक्खी पालन, हस्तकला, गायन**, या अन्य किसी प्रतिभा को व्यवसायिक रूप में विकसित करना। इस प्रक्रिया के माध्यम से न केवल बच्चे अपने सपनों को साकार कर पाएंगे, बल्कि उनके योगदान से राज्य का विकास भी सुनिश्चित होगा।

अमेरिकी और **यूरोपीय नीतियों** के साथ-साथ डिजिटल और तकनीकी कंपनियों की असीमित धनार्जन की लालसा का शिकार भारत का युवा वर्ग लगातार होता जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप वे अपनी वास्तविक क्षमताओं और संभावनाओं को खोते जा रहे हैं। **इंस्टाग्राम, फेसबुक, और टिकटॉक** जैसे ऐप्स ऐसे प्लेटफॉर्म हैं जो व्यर्थ और अनुत्पादक गतिविधियों को अत्यधिक बढ़ावा देते हैं। इसका सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव आर्थिक रूप से **कमजोर और असुरक्षित वर्गों** पर पड़ता है।

देखने में ये कंपनियां खुद को **"मुफ्त"** सेवाएं प्रदान करने वाली कहती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि भारत का लगभग हर युवा इनका मुफ्त में **"जोकर"** या **"मनोरंजन का साधन"** बनता जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि ये कंपनियां इन व्यर्थ गतिविधियों के माध्यम से अरबों रुपये कमा रही हैं, जबकि भारतीय युवाओं का व्यावसायिक और औद्योगिक कौशल धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

इन कंपनियों ने युवाओं के **खालीपन और बेरोजगारी** का बखूबी फायदा उठाकर उन्हें अपनी योजनाओं का हिस्सा बना लिया है। सॉफ्टा इसे भारत के 70% से अधिक युवाओं के भविष्य को कमजोर करने और देश के **सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक** ढांचे को सुनियोजित तरीके से हानि पहुंचाने के रूप में देखता है। ये कंपनियां भारत की सांस्कृतिक विविधता और समाजिक संतुलन को खतरे में डाल रही हैं, जो देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

सॉफ्टा अपने ऐप्स और **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** के माध्यम से बच्चों और युवाओं को ऐसा वातावरण प्रदान करेगा, जहां वे न केवल मनोरंजन का आनंद ले सकें, बल्कि उनके **बौद्धिक कौशल, रचनात्मक क्षमताओं और सांस्कृतिक विकास** को भी प्रोत्साहन मिले। यह विकास उनके अपने सांस्कृतिक परिवेश के अनुकूल माहौल में सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए समग्र और संतुलित प्रगति कर सकें।

इसी प्रकार, सॉफ्टा की अन्य इकाइयाँ भी सॉफ्टा द्वारा विकसित उन्नत तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (**AI**) का उपयोग करते हुए अपने-अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह समर्पित होंगी। ये इकाइयाँ अपने कार्यों और प्रयासों के माध्यम से एक सकारात्मक और सशक्त वातावरण निर्मित करने में सहयोग देंगी, जिससे न केवल व्यक्तियों का समग्र विकास सुनिश्चित होगा, बल्कि समाज की प्रगति को भी नया आयाम मिलेगा।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

यह केवल एक परियोजना या आर्थिक सुधार की योजना नहीं है, बल्कि **सॉफ्टा की यह महत्वाकांक्षी पहल** ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। साथ ही, यह एक नई और अनूठी व्यवस्था विकसित करेगी, जो **शहरीकरण और औद्योगिकीकरण** के पारंपरिक मॉडल से पूरी तरह भिन्न होगी। यह व्यवस्था सामाजिक आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल प्रस्तुत करेगी, जो किसी भी संस्कृति और समाज की परंपराओं एवं रीति-रिवाजों को सुरक्षित रखते हुए, गर्व के साथ पूरी तरह साकार होगी।

SOFTA.

सॉफ्टा द्वारा विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए विकसित **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** और आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए, झारखंड आने वाले कुछ वर्षों में एक विकसित और अत्याधुनिक राज्य के रूप में उभरेगा। यह राज्य अपनी प्रगति और विकास के मामले में किसी भी **छोटे यूरोपीय देश, जैसे फिनलैंड**, के समान उच्च मानकों को प्राप्त करेगा। सॉफ्टा की यह पहल न केवल झारखंड को एक समृद्ध और सशक्त राज्य बनाएगी, बल्कि भारत के साथ-साथ इसे वैश्विक मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

वानांचल उद्यम शक्ति परियोजना के मुख्य बिंदु

1

HOLA AI by Softa

2

ZKTOR (ऑल-इन-वन सुपर ऐप by Softa)

3

संताल परगना (साहिबगंज) में उच्च तकनीकी क्षमता से लैस केंद्रीय मल्टीमोडल हब का निर्माण

4

संथाल परगना के अलग अलग इलाकों में कुल 10 – 12 लोकल सेंटर्स का निर्माण

5

निर्यात गेटवे साहिबगंज नदी पोर्ट से कोलकाता पोर्ट तक

Vananchal Udyam Shakti

Empowering the Leaders of Tomorrow

वानांचल उद्यम शक्ति परियोजना के मुख्य बिंदु

6

निर्यात नेटवर्क, (Export Network)कोलकाता पोर्ट से EU, UAE, एशिया और वैश्विक अन्य बाजारों तक

7

UAE और EU में स्थानीय लॉजिस्टिक हब का निर्माण

8

विशेषज्ञ निर्यात टीम का गठन

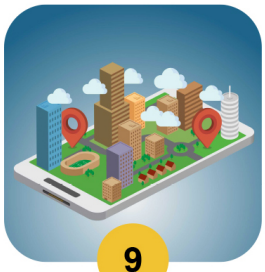

9

झारखंड के सभी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर उच्च तकनीकी सेवा केंद्रों का निर्माण

वानांचल उद्यम शक्ति परियोजना के मुख्य बिंदु

स्थानीय लॉजिस्टिक संरचना का निर्माण

स्थानीय विशेषज्ञ टीम का गठन (Formation of Expert Export Teams)

उत्पादन (Production)

खरीद (Procurement)

निर्यात (Export)

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

1. HOLA AI by Softa

सॉफ्टा द्वारा विकसित "**होला एआई**" इस परियोजना का सबसे प्रमुख और प्रभावशाली उपकरण है। यह **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** भारतीय समाज की सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों के साथ तैयार किया गया है। होला एआई न केवल इस परियोजना के विभिन्न पहलुओं को सुचारू रूप से संचालित करने में मदद करेगा, बल्कि यह ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समावेशी विकास को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसकी उन्नत क्षमताएँ स्थानीय जरूरतों को समझने और उनके अनुसार अनुकूल समाधान प्रदान करने में सक्षम हैं, जिससे क्षेत्रीय विकास को नई दिशा और गति मिलेगी।

SOFTA. HOLA AI

HOLA AI को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि यह विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच तालमेल बैठाने और प्रभावी संवाद स्थापित करने में सक्षम है। इसे इस प्रकार विकसित किया गया है कि यह केवल टेक्स्ट के माध्यम से ही नहीं, बल्कि **वॉयस कम्युनिकेशन** के जरिए भी उपयोग किया जा सकता है।

इसका मतलब यह है कि यदि किसी व्यक्ति को लिखने और पढ़ने में समस्या हो, तो वह अपनी **स्थानीय भाषा** में बोलकर अपनी बात रख सकता है और समझा सकता है। दूसरी ओर, जो व्यक्ति उससे संवाद करना चाहता है, चाहे वह उसकी भाषा न जानता हो या उसकी संस्कृति से अनजान हो, वह HOLA AI के माध्यम से उसी की भाषा और संस्कृति को समझते हुए संवाद स्थापित कर सकेगा।

यह विशेषता **Softa** द्वारा निर्मित **HOLA AI** की सबसे बड़ी ताकत है, खासकर एक विविधतापूर्ण देश जैसे भारत में, जहां हज़ारों **संस्कृतियाँ और सैकड़ों भाषाएँ** हैं। HOLA AI इन सभी को जोड़ने और आपसी समझ को बढ़ावा देने में सक्षम है। समय के साथ, यह और भी उन्नत होता जाएगा और आने वाले समय में भारतीय समाज की विविधता को समझने, विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्टताओं और संभावनाओं को उजागर करने और क्षेत्रीय स्तर पर विकास में HOLA AI एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

Note: ***Softa*** *द्वारा विकसित* ***HOLA AI*** *को शुरुआत में इस परियोजना के उद्देश्यों को पूरा करने के विशेष उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है। इसलिए, वर्तमान में यह किसी अन्य के लिए उपलब्ध नहीं है, अर्थात् यह अभी एक सार्वजनिक उत्पाद नहीं है।*

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

2. (ZKTOR) All in One Super App by Softa

ऐप एक, अनुभव अनेक

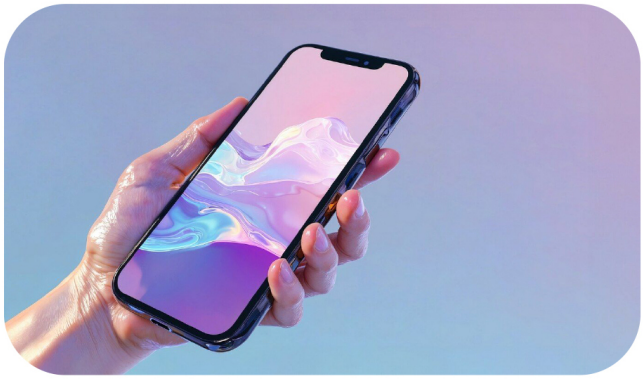

सॉफ्टा द्वारा विकसित **"ऑल-इन-वन ऐप"** (ZKTOR) एक अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक विविधताओं, इस परियोजना की आवश्यकताओं, व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा की चिंताओं, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की जरूरतों और युवाओं की मनोरंजन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सर्वोच्च तकनीकी मानकों पर डिज़ाइन किया गया है। यह ऐप केवल एक सामान्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं है, बल्कि इसमें उपयोगकर्ताओं के लिए अत्याधुनिक और बहुआयामी सुविधाएँ एक ही मंच पर उपलब्ध कराई गई हैं
।

ZKTOR बच्चों को सामाजिक, **सांस्कृतिक और विश्व स्तरीय ज्ञान, कथाएँ, कहानियाँ** और अन्य माध्यमों के माध्यम से सिखाने में मदद करता है। युवाओं को इसमें आधुनिक सुविधाएँ जैसे वीडियो, रील, एजुकेशन आदि उपलब्ध कराकर उनकी **शिक्षा और मनोरंजन** को बढ़ावा देने के साथ-साथ **रोजगार** के प्रति रुचि उत्पन्न करने और उन्हें आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस ऐप में वे सभी विशेषताएँ मौजूद हैं, जो वर्तमान समय में किसी भी एकल ऐप में उपलब्ध नहीं हैं। यह दुनिया का पहला ऐसा ऐप है, जो **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), सोशल मीडिया, वीडियो शेयरिंग, कॉलिंग, शिक्षा** और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं को एकीकृत करते हुए ग्रामीण लोगों के विकास, उनके व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा, रोजगार के अवसर प्रदान करने, उनके मनोरंजन और उनकी संस्कृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है।

ZKTOR

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

ZKTOR की मुख्य विशेषताएँ :

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म :
फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसी सभी प्रमुख सोशल मीडिया सेवाएँ।

वीडियो शेयरिंग और स्ट्रीमिंग :
यूट्यूब और नेटफ्लिक्स की तर्ज पर वीडियो साझा करने और स्ट्रीमिंग की सुविधा।

ऑडियो और वीडियो कॉलिंग :
व्हाट्सएप जैसी ऑडियो और वीडियो कॉलिंग सेवाएँ।

रील मेकिंग और एडिटिंग :
टिकटॉक और इंस्टाग्राम जैसी शॉर्ट वीडियो बनाने और एडिट करने की क्षमताएँ।

ZKTOR की मुख्य विशेषताएँ :

न्यूज और मीडिया सेक्शन:
स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समाचारों के लिए समर्पित खंड।

डिजिटल वॉलेट सुविधा:
सुरक्षित और सहज डिजिटल लेन-देन के लिए एकीकृत वॉलेट।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म:
वस्तुओं की खरीद और बिक्री के लिए एक डिजिटल बाजार।

हेल्थ सेंटर:
स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और परामर्श सेवाएँ।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

ZKTOR की मुख्य विशेषताएँ :

यूनिवर्सल लाइब्रेरी :
एक विशाल डिजिटल पुस्तकालय, जिसमें पाठ्यपुस्तकें, ग्राफिक्स, वीडियो और अन्य अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी। यह लाइब्रेरी एआई आधारित तकनीक का उपयोग कर डेटा संग्रह और शिक्षण अनुभव को और अधिक उन्नत बनाएगी।

एक में अनेक" जैसी संरचना :
एक में अनेक" जैसी संरचना इस ऐप को भारत जैसी विविधतापूर्ण संस्कृति वाले देश के लिए अत्यंत उपयोगी बनाती है।

पूर्ण डेटा व मीडिया एन्क्रिप्शन :
पूर्ण डेटा और मीडिया एन्क्रिप्शन यह सुनिश्चित करता है कि हर प्रकार का डेटा, चाहे वह टेक्स्ट, फोटो, वीडियो, कॉल या किसी अन्य रूप में हो, पूरी तरह से सुरक्षित है।

ZKTOR की मुख्य विशेषताएँ :

व्यापार प्रबंधन सुविधा :
व्यापार संचालन को सरल और प्रभावी बनाने का स्मार्ट समाधान।

Voice Processing by AI :
किसी भी भाषा को समझना और उसका जवाब अपने स्वामी की भाषा में देना।

एजुकेशन सेंटर:
शैक्षिक सामग्री, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और कौशल विकास सेवाएँ।

डिजिटल वॉलेट :
सभी वित्तीय लेनदेन के लिए एक सुरक्षित और तेज़ समाधान।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

3. संताल परगना (साहिबगंज) में उच्च तकनीकी क्षमता से लैस केंद्रीय मल्टीमोडल हब का निर्माण

संताल परगना (साहिबगंज) में एक उन्नत **केंद्रीय मल्टीमॉडल हब** की स्थापना की जाएगी, जो इस पूरी परियोजना का मुख्यालय होगा। यह हब परियोजना के संचालन और प्रबंधन का केंद्र बनेगा। इस मल्टीमॉडल हब में कई छोटी-छोटी फैक्ट्री-नुमा शाखाएँ स्थापित की जाएंगी, जहाँ विभिन्न उत्पादों को निर्यात के मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

स्थानीय इकाइयों **(Local Units)** और फार्म्स **(Farms)** द्वारा उत्पादित सामग्री को यहां प्रोसेस **(process)** और मूल्य-वर्धन **(value addition)** किया जाएगा। यह केंद्र झारखंड के ब्रांड को भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पेश करने का मुख्य आधार बनेगा।

अलग-अलग उत्पादों के लिए उनके निर्यात मॉडल के अनुसार इस हब में **30-35 प्रोसेस यूनिट्स** (Process Units) बनाई जाएंगी। इसके अलावा, पूरी परियोजना और इलाके को सेवाएँ प्रदान करने के लिए मेडिकल यूनिट्स, एजुकेशनल यूनिट्स **(Educational Units)**, और महिलाओं व बुजुर्गों के लिए विशेष यूनिट्स बनाई जाएंगी। इनका उद्देश्य लोगों को **AI और Zktor App** के माध्यम से उन्नत करना, 24x7 उनके सवालों के जवाब देना, और सही दिशा में मार्गदर्शन करना होगा।

इसी मुख्यालय में एक **विश्वस्तरीय रिमोट वर्किंग सेंटर (Remote Working Center)** भी बनाया जाएगा, जो उच्च तकनीक और AI से सुसज्जित होगा। इसके माध्यम से हजारों IT क्षेत्र के युवा रिमोटली देश और विदेश में अपनी सेवाएँ देंगे। सॉफ्टा **(Softa)** इन्हें यहीं रोजगार प्रदान करेगा, जिससे उन्हें **मुंबई या बैंगलुरु** जैसे महंगे शहरों में अपने परिवार से दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

इन यूनिट्स में कुछ यूनिट्स सिर्फ स्थानीय उत्पादों के निर्माण पर विशेष ध्यान देंगी, जो झारखंड के ब्रांड के रूप में भारतीय बाजारों में पेश किए जाएंगे। उदाहरण के तौर पर:

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

1

निर्यात के बाद बचे **फूलों** के अंश को उपयोग में लाकर तकनीकी विशेषज्ञता से **उच्च गुणवत्ता** वाले **इत्र (परफ्यूम)** बनाए जाएंगे।

2

औषधीय गुणों वाले उत्पादों से **हर्बल प्रोडक्ट्स** तैयार किए जाएंगे।

3

स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर **विटामिन युक्त उत्पाद** और अन्य संभावित वस्तुएं निर्मित की जाएंगी।

इन उत्पादों को **"प्रोडक्ट ऑफ झारखंड"** के रूप में भारतीय बाजारों में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे स्थानीय पहचान और ब्रांडिंग को प्रोत्साहन मिलेगा।

सॉफ्टा (**Softa**) के अनुसंधान के अनुसार, झारखंड में **फूल, शहद, मशरूम, बकरी पालन, भेड़ पालन,** और **झींगा उद्योग** से भारी मात्रा में रोजगार पैदा होंगे ही, इसके अलावा जो मुख्य पहलू है, वह यह है कि झारखंड का संथाल परगना इलाका आयुर्वेदिक रूप से बहुत ही संपन्न है। इस इलाके में 25 प्रकार के औषधीय गुणों वाले **फूल, पत्तियां, पौधे और जड़ी-बूटियां** प्राकृतिक रूप से उपलब्ध हैं। इन औषधीय गुणों वाले उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी मांग है।

सॉफ्टा इस परियोजना के तहत इन सभी प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का बड़े औद्योगिक रूप में उत्पादन करेगा।

SOFTA.

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

पूरी तरह से तैयार होने और संचालन में आने के बाद, साहिबगंज का यह हब नए झारखंड के विकास की विश्वस्तरीय गाथा लिखेगा।

ग्रामीण इलाकों और औद्योगिकीकरण का व्यापक योजना

अलग-अलग ग्रामीण इलाकों में स्थित हजारों फार्म्स और घरों से उत्पादित उत्पादों को संबंधित यूनिट्स (units) में प्रोसेस कर उन्हें **एक्सपोर्ट (export)** के लिए तैयार किया जाएगा और उनका विश्वस्तरीय निर्यात किया जाएगा। इनमें प्रमुख उत्पाद जैसे **मशरूम, अरंडी, एलोवेरा, आंवला, तुलसी, नीम, गिलोय, अश्वगंधा, नीलगिरी, ड्रमस्टिक, चिरैता** आदि शामिल हैं। झारखंड के संथाल परगना के ग्रामीण इलाकों और जंगलों में करीब 25 प्रकार के औषधीय गुणों वाले पौधे और **जड़ी-बूटियाँ** (medicinal plants and herbs) बड़ी मात्रा में पाई जाती हैं, जिनका उपयोग महत्वपूर्ण दवाओं के निर्माण में होता है। आदिवासी समाज इनका पारंपरिक इलाज के लिए उपयोग करता रहा है।

वनांचल उद्यम शक्ति (Vananchal Udyam Shakti) के तहत, सॉफ्टा (**Softa**) पहले चरण में 1500 उच्च तकनीकी वाले **मल्टीलेयरिंग तकनीक** (multilayering technique) से लैस फार्म्स का निर्माण करेगा। ये फार्म्स न केवल सीधे उत्पादन करेंगे, बल्कि ग्रामीणों को उच्च गुणवत्ता की ट्रेनिंग भी देंगे। इसके परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाली औषधीय वनस्पतियों का **औद्योगिकीकरण** (industrialization) होगा।

ग्रामीणों की मदद से, स्थानीय स्तर पर ही इन उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा, जिससे उत्पादों की गुणवत्ता उच्च कोटी की होगी और लागत काफी कम आएगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में **उच्च गुणवत्ता और अपेक्षाकृत कम कीमत** होने के कारण इन उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ेगी। नतीजतन, यह पहल जल्द ही एक बड़े उद्योग का रूप ले लेगी।

सॉफ्टा अपने केंद्रों में तो उत्पादन करेगा ही, इसके अतिरिक्त ग्रामीण इकाइयों के माध्यम से हर घर को एक **उत्पादन केंद्र** में बदलने की प्रक्रिया शुरू होगी। इससे रोजगार अपने आप सृजित होते चले जाएंगे। **Softa** का अनुमान है कि कुछ वर्षों में जब सभी फार्म्स अपने पूर्ण उत्पादन स्तर पर पहुंचेंगे, तो वार्षिक उत्पादन **2000-3000 करोड़** रुपये तक पहुंच जाएगा। अगले 10 वर्षों में यह उत्पादन **5000 करोड़** रुपये तक बढ़ सकता है ।

इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। झारखंड और विशेष रूप से संथाल परगना विश्व स्तर पर एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरेगा। इससे ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता, दृष्टिकोण, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार होगा। साथ ही, कुपोषण और गरीबी से धीरे-धीरे मुक्ति मिलती जाएगी।

सॉफ्टा ग्रामीणों को प्रोत्साहन, सही तकनीक, सहायता और शिक्षा प्रदान करेगा। इसके अलावा, उनके द्वारा उत्पादित उत्पादों को स्थानीय केंद्र (local centers) सीधे खरीद लेंगे, जिससे उन्हें तुरंत भुगतान प्राप्त होगा। उत्पादन केंद्रों में भारी मात्रा में रोजगार सृजित होगा। **Softa** का अनुमान है कि इससे लगभग **1,00,000 लोगों को प्रत्यक्ष और 10,000 लोगों को अप्रत्यक्ष** रोजगार मिलेगा।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

वनांचल उद्यम शक्ति (Vananchal Udyam Shakti) के तहत, **सॉफ्टा (Softa)** संथाल परगना में पहले चरण में 1500 उच्च तकनीकी वाले **मल्टीलेयरिंग तकनीक (Multilayering Technique)** से लैस फार्म्स का निर्माण करेगा। ये फार्म्स न केवल सीधे उत्पादन करेंगे, बल्कि ग्रामीणों को उच्च गुणवत्ता की ट्रेनिंग भी प्रदान करेंगे।

इसके परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाली औषधीय वनस्पतियों का औद्योगिकीकरण (Industrialization) होगा। इन फार्म्स में **मल्टीलेयरिंग तकनीक** के माध्यम से निम्नलिखित औषधीय गुणों वाली कीमती वनस्पतियों का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाएगा:

अरक (मदार)

सर्पगंधा

अश्वगंधा

सतावर

कालमेघ (भूनिम्ब)

भृंगराज

नागदौन

तुलसी

हर्रे (हरड़)

बहेरा

आंवला

गिलोय

नीम

पुनर्नवा

ब्रम्ही

काली हल्दी

चकौड़ा (चौलाई)

सिंघारी

अदरक (सोंठ)

हल्दी

Vananchal Udyam Shakti

Empowering the Leaders of Tomorrow

गुड़हल

कचनार

शतपर्णी (अर्क वृक्ष)

पाथरचट्टा

धतूरा

ये सभी औषधीय पौधे स्थानीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति और आयुर्वेद में अत्यधिक महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

इसके अलावा, वे उत्पाद जिन्हें मुख्य रूप से निर्यात के लिए उत्पादित किया जाएगा, वे निम्नलिखित हैं:

- **फूल और उनके उत्पाद**: जिनका उपयोग इत्र (परफ्यूम) और अन्य हर्बल प्रोडक्ट्स बनाने में किया जाएगा।
- **शहद**: उच्च गुणवत्ता का शहद, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार के मानकों के अनुसार उत्पादित और तैयार किया जाएगा।

- **मशरूम**: औषधीय और खाद्य गुणों वाले मशरूम का उच्च तकनीक और मल्टीलेयरिंग के जरिए बहुत बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाएगा, इनकी विदेशी बाजारों में भारी मांग है।
- **झींगा उत्पादन**: उच्च गुणवत्ता वाले झींगे, जिनका निर्यात के लिए विशेष रूप से बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाएगा।
- **बकरी और भेड़ पालन**: बहुत ही बड़े पैमाने पर ग्रामीण इलाकों में किया जाएगा, इनका दूध, ऊन और मांस, बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात किए जाएंगे।
- **अरंडी (Castor)**: उच्च गुणवत्ता वाली अरंडी, जिसका उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जाएगा और इसका उपयोग औद्योगिक और दवा उत्पादों में किया जाएगा।
- **एलोवेरा (Aloe Vera)**: एलोवेरा का उत्पादन, जिसका उपयोग स्वास्थ्य और सौंदर्य उत्पादों में किया जाएगा, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके लिए उच्च मांग है।
- **शहद (Honey)**: उच्च गुणवत्ता का शहद, जिसे प्राकृतिक तरीके से और उच्च मानकों के अनुसार बड़े पैमाने पर उत्पादित किया जाएगा, और इसकी भारी मांग विदेशी बाजारों में है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

1. मशरूम (Mushroom)

- ➔ **प्रकार:** बटन मशरूम, शिटाके मशरूम, और ऑयस्टर मशरूम।
- ➔ **विदेशी मांग:** मशरूम पोषण से भरपूर होता है और यूरोप, अमेरिका, और जापान जैसे देशों में इसकी भारी मांग है।
- ➔ मशरूम उत्पादन से लेकर उसके निर्यात तक की पूरी प्रक्रिया में लगभग 80% रोजगार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा, जो रोजगार प्राप्त करने की दौड़ में सबसे पीछे हैं और जिनकी शिक्षा बहुत सीमित है या वे निरक्षर हैं।
- ➔ **मल्टी-लेयर फार्मिंग और उन्नत तकनीकों** का उपयोग करके मशरूम की उत्पादन क्षमता को कई गुना बढ़ाया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए **1000 बड़े** और विशेष ग्रीनहाउस तैयार किए जाएंगे, जिनमें **एक्सपोर्ट क्वालिटी** के मशरूम का उत्पादन किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत मशरूम का वार्षिक उत्पादन और निर्यात लगभग **1000 करोड़ से 1200 करोड़ (USD)** तक पहुंचाया जाएगा, और इन मशरूमों को विशेष रूप से यूरोप के बाजारों तक पहुंचाया जाएगा।

➔ **वनांचल उद्यम शक्ति परियोजना** के तहत मशरूम उत्पादन और निर्यात के जरिए करीब **15,000 से 20,000 प्रत्यक्ष रोजगार** और **2,000 से 3,000 अप्रत्यक्ष रोजगार** के अवसर सृजित होंगे।

2. अरंडी (castor) के साथ एलोवेरा (Aloe Vera)

➔ **अरंडी (castor)** तथा एलोवेरा दोनों ही फसलें बेकार जमीन पर, बंजर जमीन पर, यानी कि उस तरह की जमीन पर हो सकती हैं जिसे कोई इस्तेमाल नहीं करता, दोनों ही फसलें परंपरिक नजर में कोई मायने नहीं रखती, पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी भारी मांग है.

➔ यूरोप में **ब्यूटी प्रोडक्ट्स** के लिए इनका खासा इम्पोर्ट होता है, वानांचल उद्यम शक्ति के तहत हमारा विचार ऐसी बंजर, अविकसित, और खाली पड़ी जमीनों पर **अरंडी (castor) और एलोवेरा** के उत्पादन को सालाना

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

500 - 700 करोड़ (USD $60-80 मिलियन) ले जाने का है। Softa अपनी रिसर्च और उच्च तकनीक के इस्तेमाल से इसे आसानी से पूरा करने की क्षमता रखता है**, Softa** का लक्ष्य आने वाले समय में झारखंड से **1000 करोड़** के अरंडी और एलोवेरा के उत्पादन के एक्सपोर्ट का है, साथ ही साथ इसके जरिए ग्रामीण क्षेत्र में **8000 - 10000 प्रत्यक्ष और 1000 - 1500 अप्रत्यक्ष** रोजगार सृजित होंगे।

3 . आधुनिक तकनीक से शहद (HONEY)उत्पादन का मास्टर प्लान

➔ आधुनिक तकनीक और मल्टीलेयरिंग का उपयोग करके, पारंपरिक शहद उत्पादन की तुलना में **10-12 गुना अधिक शहद उत्पादन** किया जाएगा। **वनांचल उद्यम शक्ति परियोजना** के तहत, **सोफ्टा** ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक और मल्टीलेयरिंग का उपयोग करके लगभग **1500 बड़े शहद फार्म** का निर्माण करेगा।

➔ इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता **20,000 - 25,000 टन** शहद होगी, जिसका **निर्यात मूल्य 800 - 1000 करोड़ USD** (लगभग **10 - 12 मिलियन डॉलर**) होगा।

- ➔ इससे ग्रामीण क्षेत्रों में **10,000 - 12,000 प्रत्यक्ष** और **1,500 - 2,500 अप्रत्यक्ष रोजगार** उत्पन्न होंगे।
- ➔ **सोफ्टा (Softa)** उच्च गुणवत्ता की प्रशिक्षण, शहद की गुणवत्ता, निर्यात नीति और सप्लाई चेन पर ध्यान देते हुए, **झारखंड में उत्पादित शहद** को विशेष रूप से **यूरोप और अमेरिका** के बाजारों में निर्यात करेगा।

4 . फूल और उनके उत्पाद

- ➔ इस परियोजना के तहत सभी **Honey Farms** के साथ फूलों के भी फार्म्स का निर्माण किया जाएगा, जो कि उच्च गुणवत्ता की वर्ल्ड क्लास **(World Class)** तकनीक और मल्टी-ईयर फार्मिंग **(Multi-Year Farming)** तकनीक से सुसज्जित होंगे। इन तकनीकी महारत के कारण ये फार्म्स 5 से 7 गुना अधिक उत्पादन कर सकेंगे। साथ ही, **Honey Farms** के साथ सटे होने के कारण शहद की उत्पादकता और गुणवत्ता में भी कई गुना वृद्धि होगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

- ➔ फूलों का यूरोप में ब्यूटी प्रोडक्ट्स **(Beauty Products)** के लिए बड़े पैमाने पर आयात होता है। वानांचल उद्यम शक्ति के तहत हमारा मिशन उत्पादन को सालाना **300-400 करोड़ (₹300-400 करोड़ / लगभग $36-48 मिलियन USD)** तक ले जाने का है। सॉफ्टा अपनी रिसर्च **(Research)** और उच्च तकनीक के इस्तेमाल से इसे आसानी से पूरा करने की क्षमता रखता है। सॉफ्टा का लक्ष्य आने वाले 10 वर्षों में झारखंड से सालाना **500 करोड़ (₹500 करोड़ / लगभग $60 मिलियन USD)** के फूलों के निर्यात का है। इसके जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में **4000-5000 प्रत्यक्ष और 2000-5000 अप्रत्यक्ष** रोजगार सृजित होंगे।

फूलों के स्थानीय कारोबार से अप्रत्यक्ष रोजगार अधिक संख्या में उत्पन्न होते हैं।

5. बकरी और भेड़ पालन

बकरी और भेड़ पालन बहुत ही बड़े पैमाने पर ग्रामीण इलाकों में किया जाएगा। इनका दूध, ऊन और मांस बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात **(Export)** किए जाएंगे। बकरी और भेड़ पालन **Hybrid Model** के तहत किए जाएंगे, मतलब कि पहले फेज **(Phase)** में **संथाल परगना** में 80-100 **High-Tech Multilayering Farms** बनाए जाएंगे, जिसमें **1,50,000-2,00,000** बकरियों और भेड़ों का पालन शुरू किया जाएगा। इन्हीं सेंटर्स **(Centers)** से जुड़े इलाकों में ग्रामीणों को भी भेड़ और बकरियां पालने के लिए दी जाएंगी, एक **Special Agreement** के तहत, जिसमें उनकी जितनी क्षमता होगी, वे उतनी हिस्सेदारी कर पाएंगे।

ग्रामीणों को तकनीकी और मेडिकल जानकारियों की विशेष ट्रेनिंग **(Training)** दी जाएगी और **AI (Artificial Intelligence)** के माध्यम से उन्हें उनकी स्थानीय भाषा में 24x7 मदद मिलेगी। ये ग्रामीण हमारे सेंटर्स से भी जुड़े रहेंगे, जिससे उन्हें हर प्रकार की सहायता निरंतर मिलती रहेगी। इससे लाभ यह होगा कि अधिक से अधिक लोग सीधे इस रोजगार से जुड़ जाएंगे और हमारा उत्पादन उच्चतम स्तर पर पहुंच जाएगा।

इस परियोजना के तहत सॉफ्टा **(Softa)** का लक्ष्य है कि अगले **10** वर्षों में इसे एक व्यवस्थित निर्यात व्यवसाय **(Organized Export Business)** में बदल दिया जाए। इसका अनुमानित वार्षिक उत्पादन और निर्यात **₹2,000-3,000 करोड़ (₹2,000-3,000 करोड़ / लगभग $240-360 मिलियन USD)** का होगा।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

इससे ग्रामीण इलाकों में सीधे तौर पर (यानी प्रत्यक्ष रूप से) **50,000-1,00,000** रोजगार सृजित होंगे और अप्रत्यक्ष रूप से **10,000-15,000** रोजगार सृजित होंगे। सॉफ्टा के इस परियोजना का अधिकतम लाभ उन आबादी को ही मिलेगा जो रोजगार के मामले में दयनीय, आश्रित और कतार में सबसे आखिरी हैं।

सॉफ्टा ने उन्हीं आबादियों के अनुरूप इस पूरी परियोजना का निर्माण किया है, जिससे ग्रामीण झारखंड में लाखों की संख्या में रोजगार सृजित हो और आदिवासी समाज सम्मान के साथ अपनी **संस्कृति, भाषा और जल-जंगल** के साथ-साथ विकास का दौर देखे। वे विकसित अंतरराष्ट्रीय समाज का हिस्सा बनें, साथ ही भारत के लिए एक मिसाल पेश करें और पूरे भारत की नजरों में और समाज में सम्मानजनक स्थिति में आएं।

6. फिश फार्मिंग और एक्वाकल्चर (Fish Farming and Aquaculture)

➔ **फिश कैवियार (Caviar):** झारखंड के **जल निकायों (Water Bodies)** में कैवियार उत्पादन के लिए अत्यधिक अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध हैं। कैवियार अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक **मूल्यवान उत्पाद (High-Value Product)** है, जिसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। इस परियोजना के तहत झारखंड के जल संसाधनों का **वैज्ञानिक और टिकाऊ (Sustainable)** उपयोग किया जाएगा, जिससे कैवियार का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा सके।

➔ **झींगा (Prawns/Shrimps):** अंतरराष्ट्रीय बाजार में झींगा और श्रिम्प्स की भारी मांग है। झारखंड के **जल निकाय (Water Bodies)** झींगा पालन (**Shrimp Farming**) के लिए अनुकूल हैं। **आधुनिक तकनीक और High-Tech Aquaculture Systems** के जरिए उत्पादन को न केवल बढ़ाया जाएगा, बल्कि गुणवत्ता को भी वैश्विक मानकों के अनुसार सुनिश्चित किया जाएगा।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

इस परियोजना के तहत झारखंड से **निर्यात (Export)** को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीण समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। आधुनिक तकनीक, **AI आधारित निगरानी (Monitoring)** और **प्रशिक्षण (Training)** के माध्यम से इस क्षेत्र को **व्यवस्थित और उन्नत (Organized & Advanced)** बनाया जाएगा।

फिश फार्मिंग और एक्वाकल्चर (Fish Farming and Aquaculture) को उन्नत तकनीक और **मल्टी-लेयर फार्मिंग तकनीक (Multi-Layer Farming Technique)** के जरिए, **AI** और कई तरह की तकनीकी और वैज्ञानिक विशेषज्ञताओं (Expertise) के साथ सॉफ्टा (Softa) एक बड़े **Organized उद्योग (Organized Industry)** के रूप में स्थापित करेगा।

सॉफ्टा का लक्ष्य है कि अगले 10 वर्षों में इस उद्योग की उत्पादन क्षमता **₹1,500-2,000 करोड़** (₹1,500-2,000 करोड़ / लगभग $180-240 मिलियन USD) तक पहुंचाई जाए और यह एक संगठित उद्योग का रूप ले ले। सॉफ्टा इन सभी उत्पादों को सीधे तौर पर यूरोप के बाजारों तक पहुंचाएगा।

इस उद्योग से भी अगले 10 वर्षों में **प्रत्यक्ष रूप से (Directly)** 40,000-80,000 तक ग्रामीण रोजगार सृजित होंगे और **अप्रत्यक्ष रूप से (Indirectly)** 3,000-5,000 रोजगार सृजित होंगे।

बेहतर समझने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी

Softa का सपना है कि झारखंड में इन उत्पादों का उत्पादन बड़े पैमाने पर हो, हर घर एक उत्पादन केंद्र बने, और यहां तक कि बंजर पड़ी जमीनें भी अत्यधिक उत्पादक बन सकें। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर भारी मात्रा में रोजगार सृजित होगा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह झारखंड को हर वर्ष समृद्धि की ओर निरंतर आगे ले जाएगा।

Softa का अनुमान है कि अगले 15-20 वर्षों में झारखंड का ग्रामीण क्षेत्र, जो कभी गरीबी के लिए जाना जाता था, विकासशील झारखंड की पहचान बन जाएगा। **Softa** की अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग और तकनीकी क्षमताओं के जरिए झारखंड को वैश्विक बाजार में एक नई पहचान मिलेगी।

यह परियोजना न केवल झारखंड को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगी, बल्कि इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को स्थानीय स्तर पर संरक्षित रखते हुए आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। झारखंड एक नई विकास गाथा लिखेगा, जो इसे आत्मनिर्भर और समृद्धि का प्रतीक बनाएगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

केन्या, जिसे एक छोटा और विकासशील देश माना जाता है, ने **वैश्विक पुष्प उद्योग** में एक अद्वितीय और प्रमुख स्थान प्राप्त किया है। विशेष रूप से गुलाब और कार्नेशन जैसे फूलों के उत्पादन में इस देश ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। केन्या वर्तमान में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा कटे हुए फूलों का निर्यातक है।

यह उपलब्धि एक संगठित और पेशेवर दृष्टिकोण, **उच्च तकनीकी निवेश**, और **वैश्विक बाजारों** में सुदृढ़ पहुंच के बिना संभव नहीं थी।

1. उच्च तकनीकी निवेश

पुष्प उत्पादन में लगातार उन्नत तकनीक का उपयोग किया गया है। **नवीनतम सिंचाई प्रणालियों**, **हरितगृहों**, और कीट प्रबंधन तकनीकों के उपयोग ने केन्या के फूलों की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने में मदद की है ।

2. वैश्विक बाजार तक सीधी पहुंच

केन्या ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खुद को एक विश्वसनीय सप्लायर के रूप में स्थापित किया है। यूरोप, विशेष रूप से **नीदरलैंड**, **जर्मनी और यूके**, केन्याई फूलों के प्रमुख खरीदार हैं। हवाई परिवहन और निर्यात प्रणालियों में सुधार ने निर्यात समय और गुणवत्ता बनाए रखने में सहायता की है।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

निर्यात और आर्थिक योगदान

केन्या के पुष्प निर्यात का **वार्षिक मूल्य** लगभग **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग ₹8,300 करोड़ भारतीय रुपये)** है। यह आंकड़ा पुष्प उद्योग के अंतरराष्ट्रीय महत्व और देश की अर्थव्यवस्था में इसके योगदान को स्पष्ट करता है।

रोजगार और सामाजिक प्रभाव

केन्या के पुष्प उद्योग ने रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। **SOFTA के शोध के अनुसार**, इस क्षेत्र से सीधे तौर पर लगभग **1.5 लाख लोग जुड़े हुए हैं**। इसके अतिरिक्त, अप्रत्यक्ष रूप से कई अन्य लोगों को भी आजीविका प्राप्त हो रही है, जिनमें परिवहन, पैकेजिंग और वितरण क्षेत्र शामिल हैं।

इस महा परियोजना के अहम् पहलू

परियोजना की कुल लागत और बजट रिपोर्ट (₹24,000 करोड़ / USD 3 बिलियन)

1. परियोजना की कुल लागत (Overall Project Cost)

कुल परियोजना की लागत ₹20,000 करोड़ (USD 2.5 बिलियन) निर्धारित की गई है, जो विभिन्न घटकों में विभाजित है:

- निर्माण एवं अधिसंरचना: ₹12,000 करोड़
- तकनीकी विकास (**SOFTA** तकनीक): ₹4,000 करोड़
- उपकरण एवं मशीनरी: ₹2,000 करोड़
- अन्य खर्च (प्रशासन, नियोजन, और अप्रत्याशित खर्च): ₹2,000 करोड़

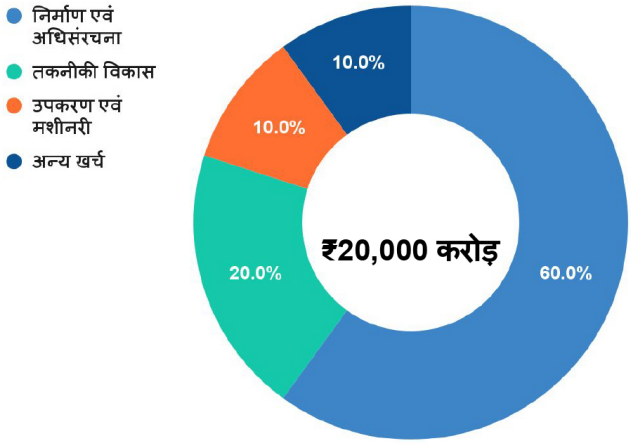

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

2. समय सीमा (Timeline)

कुल समय: 10 - 15 वर्ष

- प्रारंभिक 2-3 वर्षों में बुनियादी ढांचे और तकनीकी सेटअप पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- शेष 7 - 12 वर्षों में उत्पादन, संचालन, विपणन और निर्यात को सुव्यवस्थित किया जाएगा।

3. रोजगार सृजन (Employment Generation)

यह परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगी:

- प्रत्यक्ष रोजगार: 1,00,000 - 1,20,000 रोजगार (ग्रामीण क्षेत्रों में)
- अप्रत्यक्ष रोजगार: 10,000 - 20,000 अप्रत्यक्ष रोजगार (निर्माण, सप्लाई चेन, और सर्विस सेक्टर में)
- कुल रोजगार (10 वर्षों में): लगभग 2,00,000 रोजगार
- कुल रोजगार (15 वर्षों में): लगभग 3,00,000 रोजगार

3. वार्षिक उत्पादन और आर्थिक लाभ (Annual Production & Economic Output)

कुल समय: 10 - 15 वर्ष

- प्रारंभिक उत्पादन: ₹2,000-2,500 करोड़ (USD 250-312.5 मिलियन) वार्षिक
- **10 साल बाद (पूरे परियोजना अवधि का लक्ष्य):** परियोजना पूरी होने पर वार्षिक उत्पादन में 20% वार्षिक वृद्धि होने की संभावना है।

प्रारंभिक विवरण

- प्रारंभिक वार्षिक उत्पादन: ₹2,000 - ₹2,500 करोड़
- पहले 3-5 वर्षों में वार्षिक वृद्धि दर: 20%
- 5-10 वर्षों में वार्षिक वृद्धि दर: 35%
- 10 वर्षों के बाद वार्षिक उत्पादन (अनुमानित): ₹10,000 - ₹13,000 करोड़
- 10 वर्षों के बाद उत्पादन वृद्धि स्थिर रहेगी।
- अब 10 वर्षों और अगले 10 वर्षों (11वें से 20वें वर्ष तक) के लिए गणना.

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

चरण 1: पहले 10 वर्षों का उत्पादन पुनर्गणना

(₹2,000-2,500 करोड़ से शुरू होकर 20% और 35% वृद्धि दर के आधार पर)

वर्ष	उत्पादन (₹ करोड़)	उत्पादन (USD मिलियन, $1 = ₹80)
1	₹2,000 - ₹2,500	$250 - $312.5
2	₹2,400 - ₹3,000	$300 - $375
3	₹2,880 - ₹3,600	$360 - $450
4	₹3,456 - ₹4,320	$432 - $540
5	₹4,147 - ₹5,184	$518.375 - $648
6	₹4,976 - ₹6,220	$620.5 - $777.5
7	₹5,971 - ₹7,464	$745.875 - $933
8	₹7,165 - ₹8,957	$894.375 - $1,119.625
9	₹8,598 - ₹10,748	$1,074.75 - $1,343.5
10	₹10,318 - ₹12,897	$1,289.75 - $1,611.25

*10 **वर्षों** के बाद, उत्पादन **₹10,000-₹13,000** करोड़ पर पहुंच गया है।*

चरण 2: अगले 10 वर्षों का अनुमानित वार्षिक उत्पादन (11वें से 20वें वर्ष तक)

यह मानते हुए कि वृद्धि दर 10% होगी (स्थिरता के साथ), अगले 10 वर्षों के लिए वार्षिक उत्पादन की गणना

वर्ष	वार्षिक उत्पादन (₹ करोड़)	वार्षिक उत्पादन (USD मिलियन)
11	₹11,000 - ₹14,300	$1,375 - $1,787.5
12	₹12,100 - ₹15,730	$1,512.5 - $1,966.25
13	₹13,310 - ₹17,303	$1,663.75 - $2,162.875
14	₹14,641 - ₹19,033	$1,830.125 - $2,379.125
15	₹16,105 - ₹20,937	$2,013.125 - $2,617.125
16	₹17,715 - ₹23,031	$2,214.375 - $2,878.875
17	₹19,486 - ₹25,334	$2,435.75 - $3,166.75
18	₹21,435 - ₹27,867	$2,679.375 - $3,483.375
19	₹23,578 - ₹30,654	$2,947.25 - $3,831.75
20	₹25,936 - ₹33,719	$3,242 - $4,214.875

***11वें से 20वें वर्ष** का वार्षिक उत्पादन*

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

परिणाम और मुख्य बिंदु:

1. **10 वर्षों में कुल उत्पादन :** ₹10,000 - ₹13,000 करोड़ (USD 1.25 - 1.625 बिलियन)।
2. **अगले 10 वर्षों में स्थिर वृद्धि के साथ उत्पादन :**
   a. 20 वर्ष में कुल उत्पादन ₹25,936 - ₹33,719 करोड़ ।
   b. USD के संदर्भ में कुल उत्पादन: $3.242 बिलियन से $4.214 बिलियन।

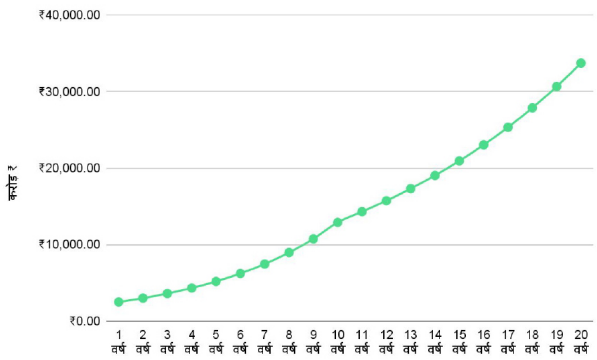

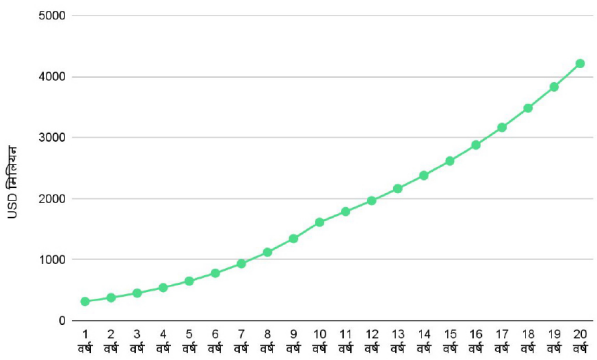

परिणाम और मुख्य बिंदु:

20 वर्षों में रोजगार सृजन का विस्तृत विवरण (ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में)

1. **ग्रामीण इलाकों में रोजगार:**
   a. **पहले 10 वर्षों** में कुल **2 लाख रोजगार** सृजित होंगे, जिनमें अधिकतर ग्रामीण आदिवासी आबादी शामिल होगी।
   b. **अगले 10 वर्षों** में, **हर साल 10,000 नए रोजगार** सृजित होंगे, जिनमें आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग मुख्य रूप से लाभान्वित होंगे।

2. **शहरी इलाकों में रोजगार:**
   a. **शहरी इलाकों में रोजगार** अप्रत्याशित रूप से सृजित होंगे, और इनकी संख्या **30,000 तक** पहुँच सकती है। ये रोजगार शहरी क्षेत्र में अन्य गतिविधियों जैसे व्यापार, निर्माण, सेवा क्षेत्र आदि से उत्पन्न होंगे, लेकिन प्रत्यक्ष नहीं होंगे।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

ग्रामीण इलाकों में रोजगार सृजन:

पहले 10 वर्षों में रोजगार सृजन (ग्रामीण क्षेत्र):

- कुल रोजगार: 2,00,000 (मुख्य रूप से आदिवासी क्षेत्र और ग्रामीण इलाकों में)

अगले 10 वर्षों में रोजगार सृजन (ग्रामीण क्षेत्र):

वर्ष	नए रोजगार (प्रति वर्ष)	कुल रोजगार (संचयी)
11	10,000	10,000
12	10,000	20,000
13	10,000	30,000
14	10,000	40,000
15	10,000	50,000
16	10,000	60,000
17	10,000	70,000
18	10,000	80,000
19	10,000	90,000
20	10,000	1,00,000

अगले 10 वर्षों में कुल **रोजगार**: **1,00,000** (ग्रामीण इलाकों में)

शहरी इलाकों में रोजगार सृजन:

शहरी इलाकों में रोजगार का सृजन अप्रत्याशित रूप से होगा, और 30,000 तक रोजगार बढ़ सकते हैं। ये रोजगार मुख्य रूप से शहरी सेवाओं, व्यापार, निर्माण, और अन्य अप्रत्यक्ष कार्यों से उत्पन्न होंगे।

कुल रोजगार (20 वर्षों में):

शहरी इलाकों में रोजगार का सृजन अप्रत्याशित रूप से होगा, और 30,000 तक रोजगार बढ़ सकते हैं। ये रोजगार मुख्य रूप से शहरी सेवाओं, व्यापार, निर्माण, और अन्य अप्रत्यक्ष कार्यों से उत्पन्न होंगे।

क्षेत्र	कुल रोजगार
ग्रामीण इलाका	**3,00,000** (ग्रामीण क्षेत्रों और आदिवासी इलाकों में)
शहरी इलाका	**30,000** (अप्रत्यक्ष रूप से शहरी क्षेत्रों में)
कुल रोजगार	**3,30,000**

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

SOFTA.

इस परियोजना के माध्यम से **20 वर्षों में कुल 3,30,000 रोजगार** सृजित होंगे, जिनमें से:

- **ग्रामीण इलाकों** और आदिवासी क्षेत्रों में **3,00,000 रोजगार।**
- **शहरी इलाकों** में अप्रत्यक्ष रूप से **30,000 रोजगार।**

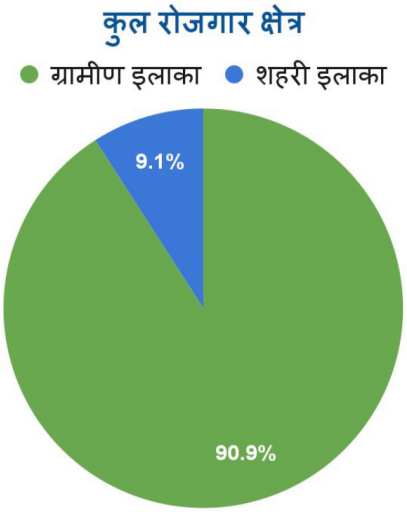

> *इस पूरी परियोजना के केंद्र में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पैदा होने वाले रोजगार में से 80% उनकी भूमिका हो सकती है जो अत्यंत गरीबी में हैं या पढ़ना-लिखना नहीं जानते।*

7. तकनीकी नवाचार और रखरखाव (Technological Innovation & Maintenance)

- तकनीकी निवेश: कुल लागत का 10-15%, यानी लगभग ₹2,000-3,000 करोड़ तकनीकी नवाचार और रखरखाव में खर्च होगा।
- रखरखाव और संचालन: 10 वर्षों में संचालन और रखरखाव की लागत लगभग ₹1,500-2,000 करोड़ होगी।

8. परियोजना की कुल लागत (Final Budget with Adjustments)

- प्रारंभिक लागत: ₹20,000 करोड़
- तकनीकी लागत: ₹2,500 करोड़
- रखरखाव एवं संचालन: ₹1,500 करोड़
- कुल बजट: ₹24,000 करोड़ (USD 3 बिलियन)

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

9. दीर्घकालिक लाभ (Long-Term Benefits)

- रोजगार वृद्धि: 2 लाख युवाओं को रोजगार
- आर्थिक वृद्धि: ₹5,000 करोड़ वार्षिक उत्पादन (10 वर्षों में)
- निवेशकों को स्थिर लाभ: 15 - 30% रिटर्न

निवेशकों को लाभ कंपनी के शेयरों में निवेश और उनके मूल्य वृद्धि से भी प्राप्त होगा।

निवेशकों को लाभ कंपनी के शेयरों में निवेश और उनके मूल्य वृद्धि से भी प्राप्त होगा।

इस परियोजना को **Public-Private Partnership (PPP)** मॉडल के तहत झारखंड सरकार और Softa कंपनी मिलकर पूरा करेंगे। इस परियोजना का संचालन मुख्य रूप से **Softa** द्वारा किया जाएगा, जबकि झारखंड सरकार सहायक भूमिका में रहेगी।

परियोजना की कुल लागत और विभाजन

1. **प्रारंभिक लागत: ₹20,000 करोड़**
2. **तकनीकी लागत: ₹2,500 करोड़**
3. **रखरखाव एवं संचालन: ₹1,500 करोड़**
4. **कुल लागत: ₹24,000 करोड़ (लगभग 3 बिलियन USD)**

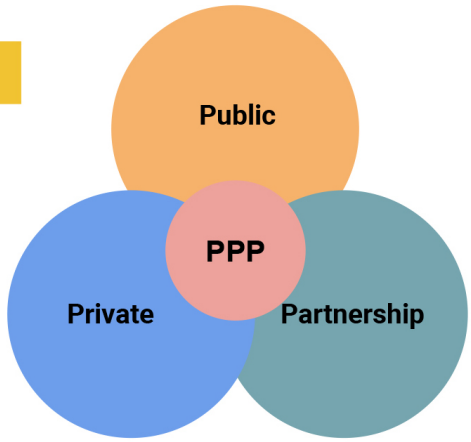

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

परियोजना का वित्त पोषण योजना

परियोजना का वित्त पोषण योजना

1. Softa का निवेश:

- **Softa** परियोजना में कुल **35% निवेश** करेगी।
- यह राशि **₹8,400 करोड़** होगी।
- यह निवेश **Softa** अपनी आंतरिक वित्तीय स्त्रोतों, शेयर जारी करने, और संस्थागत ऋण के माध्यम से जुटाएगी।

2. झारखंड सरकार का निवेश:

- **झारखंड सरकार** का भी परियोजना में **35% निवेश** होगा।
- यह राशि **₹8,400 करोड़** होगी।
- सरकार इस राशि को अपने बजट, वित्त आयोग अनुदान, और राज्य निधि के माध्यम से उपलब्ध कराएगी।

परियोजना का वित्त पोषण योजना

3. शेष 30% का वित्त पोषण:

- **₹7,200 करोड़** की राशि **विभिन्न स्रोतों** से जुटाई जाएगी:
  - **राज्य सरकार के विभिन्न मंत्रालयों:** संबंधित मंत्रालय अपनी योजनाओं के तहत सहायता प्रदान करेंगे।
  - **केंद्र सरकार का अनुदान:** केंद्र सरकार से ₹2,000 करोड़ का योगदान परियोजना के लिए विशेष सहायता योजना के तहत प्राप्त किया जाएगा।
  - **वर्ल्ड बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थान:** परियोजना के लिए ₹3,000 करोड़ का ऋण/अनुदान प्राप्त होगा।
  - **अन्य स्रोत:** शेष राशि झारखंड सरकार और Softa के बीच सहमति से जुटाई जाएगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

परियोजना के वित्त पोषण का सारांश

वित्तपोषण स्रोत	योगदान (%)	राशि (₹ करोड़)
Softa	35%	8,400
झारखंड सरकार	35%	8,400
राज्य के अन्य मंत्रालय	12.5%	3,000
वर्ल्ड बैंक/केंद्र सरकार का अनुदान	12.5%	3,000
कुल	**100%**	**24,000**

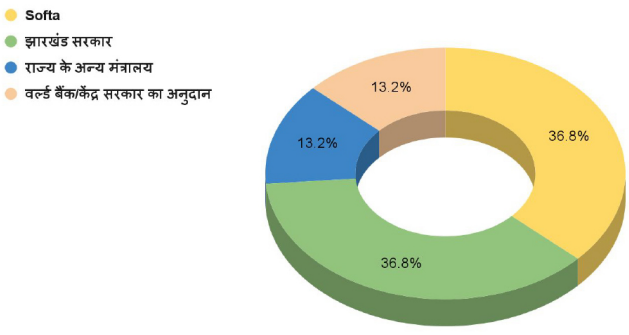

परिणाम और मुख्य बिंदु:

1. यह परियोजना **झारखंड के विकास** में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।
2. संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए **PPP मॉडल** के तहत सभी प्रक्रियाओं की निगरानी की जाएगी।
3. **वित्त पोषण के विभिन्न स्रोतों** को समय पर **उपलब्ध** कराने के लिए प्रभावी प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी।
4. **Softa द्वारा दीर्घकालिक संचालन की जिम्मेदारी** ली जाएगी, और झारखंड सरकार तकनीकी सहायता व संसाधन प्रदान करेगी।

Vananchal Udyam Shakti
Empowering the Leaders of Tomorrow

झारखंड सरकार इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सफल बनाने के लिए जमीनी स्तर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में पूर्णतः सहयोग करेगी। झारखंड सरकार इस परियोजना के हब के लिए भूमि उपलब्ध कराएगी और रेखांकित हब तक सड़क, बिजली, पानी जैसे आवश्यक स्त्रोतों की पहुँच सुनिश्चित करने में पूर्णतः सहयोग करेगी।

ग्रामीण इलाकों में, जहाँ-जहाँ फार्म्स और सेंटर का निर्माण किया जाएगा, उनके लिए भूमि और अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था सरकार द्वारा कराई जाएगी। उपलब्धता के अनुसार, सरकार टैक्स में छूट की व्यवस्था भी करेगी।

इस परियोजना के प्रचार-प्रसार में भी सरकार अहम योगदान देगी। जमीनी स्तर पर, यानी कि स्थानीय स्तर पर, जो भी प्रशासनिक और व्यवस्था से जुड़ी सहायता की आवश्यकता होगी, वह राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

SOFTA.